E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -116 | प्रयागराज, मंगलवार 15 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

चीन पर हमला किया तो कौन साथ देगा,अमेरिका के इस सवाल पर जापान खामोश, ऑस्ट्रेलिया बोला- काल्पनिक सवालों का जवाब नहीं

नयी दिल्ली। अमेरिका ने ताइवान को लेकर चीन से संभावित जंग की स्थिति में अपने सहयोगी देशों का रवैया जानने के लिए ऑस्ट्रेलिया और जापान से बातचीत की है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका के रक्षा विभाग के एक बड़े अधिकारी एल्ब्रिज कॉल्बी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और जापान के रक्षा अधिकारियों से इस बारे में कई जरूरी मीटिंग की है। ऑस्ट्रेलिया ने साफ कहा कि वह अभी यह नहीं कह सकता कि अगर ताइवान को लेकर जंग होती है तो वह अमेरिका के साथ होगा या नहीं। वहीं, जापान की ओर से इस पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।अमेरिकी अधिकारी कोल्बी ने कहा कि यूरोप और एशिया में अमेरिका के सहयोगी देश अपनी सेनाओं पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। ट्रम्प का प्लान इन देशों में सफल हुआ है। कोल्बी ने कहा कि कुछ देश खुलकर इस बातचीत से बचना चाहते हैं, लेकिन हाल ही में हेग में हुई नाटो समिट के बाद कई देशों ने यह समझा है कि अब मिलकर काम करना जरूरी हो गया है और वे ऐसा कर भी रहे हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरोय ने कहा कि उनका देश ऐसे 'काल्पनिक हालातों' पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं करता। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा- 'ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों को किसी संघर्ष में भेजने का फैसला उस समय की सरकार करेगी। हम अभी से कोई फैसला नहीं लेंगे।' कॉनरोय ने चीन की सैन्य गतिविधियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चीन प्रशांत द्वीप में मिलिट्री बेस बनाने की कोशिश कर रहा है, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए ठीक नहीं है। ऑस्ट्रेलिया इस क्षेत्र में सुरक्षा साझेदार बनना चाहता है और इसके लिए बातचीत कर रहा है। ऑस्ट्रेलियाई मंत्री का यह बयान सिडनी हार्बर में अमेरिका के साथ देश के सबसे बड़े युद्ध अभ्यास से पहले आया है।ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज शनिवार को चीन की 6 दिन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे हैं। चीन पहुंचने के बाद पीएम अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, ताइवान पर कोई बात नहीं करेगा। उनका मकसद ऑस्ट्रेलिया और चीन के बीच व्यापार को मजबूत करना है।इस यात्रा के दौरान अल्बनीज चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, प्रधानमंत्री ली कियांग और संसद के अध्यक्ष झाओ लेजी से भी मिलेंगे।साल 2022 में सत्ता में आने के बाद अल्बनीज की यह दूसरी चीन यात्रा है। उनकी सरकार ने चीन के साथ बिगड़े हुए रिश्तों को सुधारने के लिए काम किया है। पिछली ऑस्ट्रेलियाई सरकार के समय चीन ने कई व्यापारिक पाबंदियां लगा दी थीं, जिससे ऑस्ट्रेलिया को हर साल अरबों डॉलर का नुकसान हुआ था, लेकिन अल्बनीज ने कुछ प्रमुख व्यापारिक रुकावटें हटवाने में सफलता पाई है।अल्बनीज चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से चीन पर निर्भर न रहे, इसलिए उन्होंने भारत, इंडोनेशिया और आसियान देशों के साथ व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ हमारे रिश्ते जरूरी हैं, लेकिन जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ भी हमारे मजबूत रिश्ते हैं।

ईरान के राष्ट्रपति इजराइली हमले में घायल हुए थे,मीटिंग के दौरान इजराइली सेना ने 6 मिसाइलें दागीं, इमरजेंसी गेट से भागे

तेहरान। ईरान और इजराइल के बीच पिछले महीने 12 दिनों तक जंग हुई थी। इस दौरान 16 जून को इजराइल के हमले में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान घायल हो गए थे। ईरानी न्यूज एजेंसी फार्स ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल ने 16 जून को तेहरान के पश्चिमी हिस्से में एक इमारत पर 6 मिसाइलों से हमला किया था। उस समय इमारत में देश की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी कैबिनेट की बैठक चल रही थी। बैठक में राष्ट्रपति पजशकियान के साथ ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम-हुसैन मोहसेनी एजेई और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। हालांकि ये सभी इमारत की निचली मंजिल में मौजूद थे, इसलिए हमले का उन पर बहुत असर नहीं हुआ। लिहाजा सभी इमरजेंसी गेट से भागने में कामयाब रहे।रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल, राष्ट्रपति पजशकियान को नसरल्लाह की तरह मारना चाहता था। इजराइल ने 1 अक्टूबर 2024 को बेरूत में नसरल्लाह के सीक्रेट बंकर पर हमला किया था। वह हिजबुल्लाह के टॉप कमांडरों के साथ मीटिंग कर रहे थे। 64 साल के नसरल्लाह की जहरीले धुएं में दम घुटने से मौत हो गई थी। इस बार भी इजराइली मिसाइलों ने खास तौर पर इमारत के आने-जाने के रास्तों और वेंटिलेशन सिस्टम को निशाना बनाया था, ताकि अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने से रोका जा सके और उन्हें दम घोंटू माहौल में फंसाया जा सके। हमले के बाद इमारत की बिजली भी काट दी गई, लेकिन वहां पहले से बनाए गए एक इमरजेंसी गेट की मदद से राष्ट्रपति और बाकी बड़े अधिकारी बाहर निकलने में सफल रहे। भागने के दौरान राष्ट्रपति पजशकियान के पांव में चोट लग गई थी। वहीं, दूसरे अधिकारियों को भी हल्की चोटें आईं। कुछ दिन बाद, राष्ट्रपति पजशकियान ने 7 जुलाई को दिए एक इंटरव्यू में यह साफ तौर पर कहा था कि इजराइल ने उन्हें मारने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रहा। राष्ट्रपति ने अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन को बताया कि इजराइली सेना ने जासूसों की मदद से उस जगह की जानकारी हासिल की, जहां वे बैठक कर रहे थे और फिर उसी जगह बमबारी की।फार्स एजेंसी ने बताया कि इजराइल के पास उस इमारत के बारे में जो सटीक जानकारी थी, वह बहुत चौंकाने वाली है। इसलिए ईरानी अधिकारी अब यह जांच कर रहे हैं कि कहीं इजराइल को अंदर से कोई जानकारी तो नहीं मिली। हालांकि रिपोर्ट में हमले की सटीक जगह नहीं बताई गई, लेकिन ईरान इंटरनेशनल नाम की एक स्वतंत्र मीडिया संस्था ने यह दावा किया कि 16 जून को तेहरान के शाहरक-ए-गर्ब इलाके में इमारत पर हमला हुआ था। उसी संस्था की एक और रिपोर्ट में छेंछ के जनरल मोहसेन रेजाई के हवाले से बताया गया कि इजराइल ने वास्तव में उस स्थान पर हमला किया था जहां राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक चल रही थी। हालांकि इसमें किसी भी अधिकारी को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा।इजराइल और ईरान के बीच चले 12 दिन लंबे युद्ध में इजराइल ने कई टॉप ईरानी सैन्य कमांडरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया था। इजराइल की ओर से यह हमले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर 60 दिनों की डेडलाइन देने के एक दिन बाद शुरू हुए। इन हमलों का मकसद ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को पटरी से उतारना था। इस पूरे युद्ध में अमेरिका भी शामिल हो गया। 22 जून को अमेरिका ने नतांज, फोर्डो और इस्फहान जैसे ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हमला किया। दो दिन बाद, अमेरिकी मध्यस्थता से एक सीजफायर लागू हुआ और लड़ाई थम गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने युद्ध के बाद दावा किया कि उन्होंने अमेरिकी और इजराइली सेनाओं को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या करने से रोका। वहीं, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि वे खामेनेई को मारना चाहते थे, लेकिन यह नहीं पता चल पाया कि वे जमीन के नीचे कहां छिपे हैं।

रोहतक के जसबीर अफ्रीकी देश में सिखा रहे योग,पीएम मोदी के फूड टेस्टर बनेपहले भी कई अवॉर्डों से हो चुके सम्मानित

नयी दिल्ली। रोहतक निवासी जसबीर योगाचार्य अफ्रीका के घाना देश में लोगों को योग सिखा रहे है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अफ्रीका दौरे के दौरान उन्हें वीवीआईपी फूड टेस्टर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। रोहतक से निकलकर घाना का सफर जसबीर योगाचार्य के लिए चुनौतियां से भरा रहा। जसबीर ने अपने करियर की शुरुआत 2014 में अध्यात्म योगा संस्थान से बतौर योग शिक्षक की थी। आज वे हाई कमीशन ऑफ इंडिया, घाना की ओर से भारतीय संस्कृति और योग को प्रचारित कर रहे हैं। वे रोजाना हाई कमीशन में योग सत्र आयोजित करते हैं, जिसमें न केवल भारतीय समुदाय के लोग, बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय घाना निवासी भी भाग ले रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि भारत और हरियाणा के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। जसबीर योगाचार्य का जन्म 20 जनवरी 1993 को रोहतक की सूर्या कॉलोनी में हुआ। पीएचडी तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद जसबीर ने योग शिक्षक के रूप में कार्य करना शुरू किया। योग शिक्षक रहते हुए कई अवॉर्ड भी प्राप्त किए। वहीं, हाई कमीशन ऑफ इंडिया की तरफ से उन्हें अफ्रीका के घाना में भेजा गया। जसबीर योगाचार्य ने अब तक कई उपलब्धियां हासिल की है। जसबीर को 2009-10 में ऑल इंडिया योग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान, 2013 में नेशनल योगा स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में प्रथम, 2016-17 में ऑल इंडिया योगा चैंपियनशिप में प्रथम, 2017-18 में प्रथम, 2020 में 5 रिसर्च पेपर पब्लिश किए गए। 2022-23 में 8 रिसर्च पेपर पब्लिश हुए।जसबीर को 2015 में गुरु सम्मान पुरस्कार, 2021 में योग वेलनेस अवॉर्ड, 2022 में योग गुरु अवॉर्ड, योग वेलनेस अवॉर्ड, नेशनल योग वीर सम्मान, 2023 में महाप्रभु योग वीर सम्मान, 2024 में देवी अहिल्याबाई होल्कर अवॉर्ड और 2024 में ग्लोबल हुमेनिटेरियन अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।जसबीर योगाचार्य हाल ही में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के घाना दौरे के दौरान फूड टेस्टर के रूप में नियुक्त किए। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के सात्विक भोजन को देखकर काफी प्रभावित हुए। साथ ही उनकी दिनचर्या को लेकर भी काफी कुछ सीखा। पीएम मोदी के सरल व्यक्तित्व से भी काफी प्रभावित नजर आए।

तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत,सुप्रीम कोर्ट बोला- ये निजता का उल्लंघन नहीं, रिश्ता जासूसी तक पहुंचा तो पहले ही टूट चुका

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की बिना जानकारी रिकॉर्ड की गई कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता।कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच संवाद को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन हम इसे तलाक जैसे मामलों में अपवाद मानते हैं।जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बैंच ने कहा, 'हम नहीं मानते कि इस मामले में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन हुआ है। धारा 122 सिर्फ पति-पत्नी के बीच संवाद की गोपनीयता को मान्यता देती है, लेकिन यह निजता के संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा नहीं है।' ये था मामला- यह केस बठिंडा की एक फैमिली कोर्ट से शुरू हुआ था, जहां पति ने पत्नी से बातचीत की रिकॉर्डिंग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी। कोर्ट ने सीडी को सबूत के तौर पर मान लिया। पत्नी ने इस फैसले को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इसे निजता का उल्लंघन बताया और कहा कि इस रिकॉर्डिंग को सबूत नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट और अन्य फैसलों का हवाला देते हुए कहा था कि पति-पत्नी की निजी बातचीत को चोरी-छिपे रिकॉर्ड करना कानूनन गलत है। पति के वकील ने कहा कि निजता का अधिकार सीमित है और उसे अन्य संवैधानिक अधिकारों के साथ संतुलित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैवाहिक विवादों में कई बार ऐसे मामले होते हैं जो केवल पति-पत्नी के बीच घटते हैं और कोई गवाह नहीं होता। ऐसे में तकनीक की मदद से जुटाए गए सबूत जरूरी हो जाते हैं।दिल्ली हाईकोर्ट ने 18 अप्रैल को एक महिला के? पति की ओर से दायर व्यभिचार (एडल्टरी) के केस में आरोपी व्यक्ति को बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा- पत्नी को पति की संपत्ति मानने की सोच अब असंवैधानिक ?है। यह मानसिकता महाभारत काल से चली आ रही है। जस्टिस नीना बंसलकृष्णा ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के उस ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया, जिसमें आईपीसी की धारा 497 को असंवैधानिक करार दिया गया था। यह कानून पितृसत्तात्मक सोच पर आधारित था, जिसमें पत्नी को अपराधी नहीं, बल्कि ऐसी महिला माना गया, जिसे बहकाया गया।हाईकोर्ट ने कहा- महाभारत में द्रौपदी को उसके पति युधिष्ठिर ने जुए में दांव पर लगा दिया था। द्रौपदी की कोई आवाज नहीं थी, उसकी गरिमा की कोई कद्र नहीं थी। यह सोच आज भी समाज में बनी हुई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया है।

अविवाहित बालिग बेटियों को मिला अधिकार माता-पिता से मांग सकती हैं भरण-पोषण, फैमली कोर्ट में कर सकेंगी दावा

अमृतसर। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए बालिग अविवाहित बेटियों के हक में बड़ी बात कही है। कोर्ट ने कहा कि अब ऐसी बेटियां भी अपने माता-पिता से भरण-पोषण (मैंटेनेंस) की मांग कर सकती हैं। यह फैसला भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के दायरे को विस्तार देने के रूप में देखा जा रहा है। अब तक की स्थिति यह थी कि कोई बेटी केवल तभी भरण-पोषण की हकदार मानी जाती थी, जब वह नाबालिग हो या मानसिक/शारीरिक रूप से अक्षम हो। जैसे ही वह 18 साल की होती, उसका यह अधिकार खत्म हो जाता, खासकर अगर मामला साधारण न्यायिक मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास की अदालत में चल रहा हो। लेकिन अब हाईकोर्ट ने साफ कर दिया है कि यदि बालिग बेटी अविवाहित है और आत्मनिर्भर नहीं है, तो वह भी अपने माता-पिता से गुजारा भत्ता मांग सकती है। इस फैसले को महिला अधिकारों की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे उन बेटियों को राहत मिलेगी, जो उच्च शिक्षा या अन्य कारणों से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पातीं।हाईकोर्ट के इस फैसले के अनुसार, यदि मामला किसी फैमिली कोर्ट में चल रहा हो, जो कि फैमिली कोर्ट्स एक्ट, 1984 के तहत स्थापित की गई हो, तो वहां अविवाहित बालिग बेटी भी धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण-पोषण की मांग कर सकती है। यह फैसला ऐसे परिवार कानूनों के अंतर्गत आने वाले विवादों में एक बड़ी राहत की तरह देखा जा रहा है। फैसले में जस्टिस जसप्रीत सिंह पुरी ने कहा कि: 'यदि अविवाहित बालिग बेटी न तो शादीशुदा है और न ही आत्मनिर्भर, तो उसे अपने पिता से तब तक भरण-पोषण मिलना चाहिए जब तक वह विवाह न कर ले या आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर न हो जाए। फैमिली कोर्ट, जहां वैयक्तिक कानून भी प्रभावी होते हैं, ऐसी याचिकाओं पर फैसला कर सकती है।'यह फैसला गुरदासपुर की दो बहनों द्वारा दायर एक पुनरीक्षण याचिका पर आया, जिसमें उन्होंने अपने पिता के खिलाफ भरण-पोषण की राशि बढ़ाने की मांग की थी। याचिका के अनुसार, पहले याचिका न्यायिक मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास के समक्ष दायर की गई थी, जहां इसे यह कहकर खारिज कर दिया गया कि बेटी बालिग हो चुकी है और इसलिए अब धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण-पोषण की हकदार नहीं है।

बड़े हनुमानजी मंदिर की चौखट पर पहुंची मां गंगा, कभी भी हो सकता हैं जलाभिषेक

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार की देर रात गंगा और यमुना का जलस्तर बहुत तेजी से बढ़ गया है। नदियों का जलस्तर रात में इतनी तेजी से बढ़ गया कि भोर में ही पानी बड़े हनुमानजी मंदिर की चौखट यानी दीवार तक आ गया है। अब उम्मीद है कि इसी तरह से जलस्तर में बढ़ोत्तरी होती है तो जल्द ही मां गंगा और यमुना अपने पवित्र जल से बड़े हनुमानजी महाराज को स्नान भी कराएंगी। पिछले वर्ष 2024 की बात की जाए तो दोनों नदियों का जलस्तर बहुत तेजी से बढ़ा था। यह पवित्र जल 2 बड़े हनुमानजी मंदिर में पहुंचा था। यानी 2 बार बड़े हनुमानजी इस जल से स्नान किए थे। इस बार भी मंदिर प्रबंधन की ओर से इसकी तैयारी की जा रही है। महंत बलवीर गिरि बताते हैं कि यह शुभ संयोग होता है, जब हर साल मां गंगा-यमुना खुद बड़े हनुमानजी के पास पहुंचती हैं और अपने पवित्र जल से स्नान कराती हैं। इस बार भी मंदिर में भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। दोनों नदियों का जलस्तर आज सोमवार को सुबह करीब 10 बजे तक 80 मीटर के पार पहुंच गया। यमुना नदी का जलस्तर 175 सेमी. बढ़ने के बाद अब 80.80 मीटर पर पहुंच गया। गंगा फाफामऊ में 103 सेमी. बढ़कर अब 80.43 मीटर और छतनाग में 124 सेमी. बढ़कर अब 80.06 मीटर पर आ गई हैं। दोनों

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बैनर पर पोती कालिख,स्कूल मर्जर के खिलाफ किया प्रदर्शन,प्रयागराज में सपा के 3 नेता गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज में स्कूलों को मर्ज करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर हंगामा करने और शिक्षा मंत्री के पोस्टर, बैनर पर कालिख पोतने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। पुलिस ने धर्मेंद्र प्रधान के बैनर पर कालिख पोतने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तीन टीमों ने छापेमारी कर समाजवादी पार्टी के तीन आरोपियों को पकड़ा। सभी को सिविल लाइंस थाने में रखा गया। सपा नेताओं की गिरफ्तारी की सूचना पाकर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता थाने पहुंच गए। थाने का घेराव कर विरोध जताया गया। हालांकि पुलिस तीनों को वहां से पेशी के लिए ले जा चुकी थी। सपा नेताओं ने कड़ा विरोध जताया। समाजवादी पार्टी की महानगर ईकाई की बैठक महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन की अध्यक्षता व महासचिव रवींद्र यादव रवि के संचालन में हुई। इसमें समाजवादी पार्टी छात्र सभा से जुड़े नेताओं को पकड़े जाने का विरोध किया गया।सपा नेताओं ने कहा कि सुभाष चौराहे सिविल लाइंस पर धर्मेन्द्र प्रधान के पोस्टर जिसमें शिक्षा बनाम मधुशाला के बैनर को लेकर पुलिस से झड़प हुई थी। पुलिस ने छात्र सभा के ज़िलाध्यक्ष गंगापार शिवा केसरवानी, छात्र सभा के ज़िला उपाध्यक्ष शिवा बाग़ी सद्दाम अंसारी, आयुष प्रियदर्शी, अंशु यादव के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कर लिया।पुलिस सपा नेताओं को घर से उठा लाई। जानकारी होने पर सपा के महानगर ईकाई ने बैठक में रोष प्रकट किया। शिवा केसरवानी, सद्दाम अंसारी व आयुष प्रियदर्शी पुलिस ने जेल भेज दिया। इस पर सपा नेताओं ने गहरी नाराज़गी जताई। सैय्यद इफ्तेखार हुसैन, रवीन्द्र यादव रवि आदि रहे।

संतोष निषाद, मशहद अली खान, वीरु पासी, प्रमोद यादव, सैय्यद मोहम्मद हामिद, सऊद अहमद, मोहम्मद हसीब, सैय्यद आसिफ हुसैन, ताहिर उमर, अंकित कुमार पटेल आदि मौजूद रहे। प्रयागराज के सुभाष चौराहे पर शनिवार को समाजवादी छात्र सभा ने प्रदर्शन किया। उन्होंने स्कूलों के मर्जर के खिलाफ नारेबाजी की। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पोस्टर पर कालिख पोती। कहा कि प्रदेश के पांच हजार स्कूल बंद करने का निर्णय सही नहीं है। सरकार अगर नहीं मानी तो आगे भी प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस दौरान सिविल लाइन्स पुलिस मौके पर मौजूद रही। उसने भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु:मनकामेश्वर मंदिर में धोती-कुर्ता या साड़ी अनिवार्य

प्रयागराज। प्रयागराज में सावन मास का पहला सोमवार शिवभक्तों की आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम बन गया है। शहर के सभी प्रमुख शिवालयों में आज सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। शिवभक्तों ने भोलेनाथ के दर्शन और रुद्राभिषेक के लिए लंबी-लंबी कतारें लगाईं और 'बोल बम' के जयघोषों से वातावरण को शिवमय बना दिया। मनकामेश्वर मंदिर, सोमेश्वर महादेव मंदिर, पड़िला महादेव, नागवासुकी मंदिर, तक्षक तीर्थ और दशाश्वमेध मंदिर जैसे प्रमुख शिवालयों में तड़के से ही भक्तों की कतारें देखी गईं। शिवभक्तों ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग आदि अर्पित कर भगवान शिव का पूजन किया।इस बार मनकामेश्वर मंदिर प्रशासन ने खास पहल करते हुए ड्रेस कोड लागू किया है। अब मंदिर में रुद्राभिषेक करने के लिए पुरुष श्रद्धालुओं को धोती-कुर्ता और महिलाओं को सलवार-सूट या साड़ी पहननी होगी।

पीसीएस ज्योति मौर्या और सफाईकर्मी पति फिर आमने-सामने पति आलोक ने अफसर पत्नी से मांगा गुजारा भत्ता

प्रयागराज। बहुचर्चित पीसीएस अफसर ज्योति मौर्या और सफाईकर्मी पति आलोक मौर्या एक बार फिर आमने-सामने हैं। दोनों लोगों का मामला कोर्ट में चल रहा है लेकिन आलोक मौर्या ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में गुहार लगाई है। उसने कहा है कि उन दोनों का कोर्ट में केस चलने तक उन्हें गुजारा भत्ता दिया जाए। वहीं, इस पर ज्योति मौर्या ने साफ किया है कि वह गुजारा हमसे क्यों मांगेंगे? मैं दोनों बच्चों को अपने साथ रखकर पढ़ा रही हूं, वह खुद सरकारी नौकरी कर रहे हैं तो किस बात का गुजारा भत्ता हमसे मांग रहे हैं? यह मामला अब एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। इस मामले में कोर्ट की ओर से ज्योति मौर्या को नोटिस भी भेजी गई है और सुनवाई के लिए अगली तारीख 8 अगस्त तय की गई है। ये था पूरा मामला- दअरसल, ज्योति मौर्या आजमगढ़ जनपद का रहने वाला है। ज्योति मौर्या वाराणसी की हैं। इन दोनों की शादी करीब 15 वर्ष पहले 2010 में हुई थी। इसके पहले 2009 में आलोक का चयन पंचायती राज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हो गया था। पहली तैनाती प्रतापगढ़ में हुई। आलोक का कहना है कि शादी के बाद उसने ज्योति को पढ़ाया-लिखाया। प्रयागराज में कोचिंग कराई। 2015 में ज्योति का चयन यूपी -पीसीएस में हो गया। ज्योति की महिलाओं में तीसरी और ओवरऑल 16वीं रैंक थी। 2015 में ही जुड़वां बच्चियां हुईं। 2020 तक सब कुछ ठीक चला। पति आलोक ने तब बताया था- 2020 में ज्योति की जान-पहचान जिला कमांडेंट होमगार्ड मनीष दुबे से हुई थी। दोनों में बातचीत होने लगी। 2022 में एक बार घर के मोबाइल में अपना फेसबुक लॉगिन करके ज्योति भूल गईं। दोनों के बीच हुए चैट को देखकर आलोक ने विरोध किया। आलोक ने कहा कि 'जब मैंने इसका विरोध किया, तो लड़ने-झगड़ने और जेल भिजवाने की धमकी देने लगी। आलोक ने दावा किया था कि 22 दिसंबर 2022 को दोनों (ज्योति-मनीष) को होटल मैरियट, लखनऊ में रंगे हाथ पकड़ लिया था। फिर सफाई देने लायक कुछ नहीं बचा। विरोध करने पर दोनों ने हमला कर दिया। मैं वहां से जान बचाकर भागा।' याची आलोक मौर्या ने कोर्ट में यह दलील दी है कि 'उसकी पत्नी पीसीएस अफसर है। याची की आमदनी बेहद कम है। लिहाजा, वैवाहिक विवादों के लंबित रहने के दौरान उसे अफसर पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाया जाए।' कोर्ट ने पाया कि अपील निर्धारित समय से 77 दिन की देरी से परिवारिक अदालत की डिक्री की प्रमाणित प्रतिलिपि के बिना दाखिल की गई है। हालांकि, याची ने देरी माफी और प्रतिलिपि दाखिले की छूट प्रदान करने की अर्जी भी अपील संग प्रस्तुत की है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए आठ अगस्त की तारीख नियत करते हुए याची की अफसर पत्नी ज्योति मौर्या को नोटिस जारी कर दिया।

बार एसोसिएशन चुनाव में 200 उम्मीदवार मैदान में,हाईकोर्ट परिसर में पंफलेट व हैंडबिल बांटने पर रोक, अध्यक्ष पद पर 11 महासचिव पद पर 8 प्रत्याशी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुराव की तैयारियां जोरों पर हैं। 23 जुलाई को वोटिंग होगी। करीब 10 हजार वकील मतदान करेंगे। हाईकोर्ट के निगरानी में पुख्ता सुरक्षा इंतजामों के बीच मतदान और मतगणना की तैयारी है। इस बार कुल 200 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे। चुनाव प्रचार को लेकर भी इस बार काफी सख्ती है। हाईकोर्ट के अंदर और परिसर में पंफलेट व हैंडबिल बांटे जाने पर रोक है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव समिति ने विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। अध्यक्ष पद के लिए 11 दावेदार मैदान में हैं। इनमें अमित कुमार, अशोक कुमार सिंह, अविनाश चंद्रा, चंद्र प्रकाश

उपाध्याय, देवी प्रसाद सिंह, लालधारी राजभर, प्रभा शंकर मिश्रा, राकेश पांडेय बबुआ, संतोष कुमार त्रिपाठी, सुरेश चंद्र पांडेय और वीर सिंह शामिल हैं। महासचिव पद पर 8 उम्मीदवार आमने-सामने होंगे। चुनाव अधिकारी वशिष्ठ तिवारी ने बताया कि अखिलेश कुमार शर्मा, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, हरिद्र प्रसाद, जमील अहमद आजमी, राय साहब यादव, संतोष कुमार मिश्रा, शशि प्रकाश सिंह और उदय शंकर तिवारी ने नामांकन दाखिल किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर भी मुकाबला कड़ा रहेगा। चुनाव अधिकारी अनिल भूषण ने बताया कि इसके लिए 9 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें अखिलेश कुमार द्विवेदी, भगवान दत्त पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, कमलेश कुमार द्विवेदी, ममता कुशवाहा, प्रमोद कुमार सिंह, राजेश कुमार दुबे, राजेश त्रिपाठी और राजेश्वर सिंह शामिल हैं। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद पर 14, उपाध्यक्ष (5 पद) पर 42, संयुक्त सचिव (प्रशासन) पर 13, संयुक्त सचिव (पुस्तकालय) पर 7, संयुक्त सचिव (प्रेस) पर 13, संयुक्त सचिव (महिला) पर 5 और कार्यकारिणी सदस्य के 15 पदों पर 78 उम्मीदवारों ने दावेदारी की है। मुख्य चुनाव अधिकारी आरके ओझा ने सभी प्रत्याशियों से आचार संहिता का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

केरल धर्मांतरण मामले का आरोपी ताज मोहम्मद गिरफ्तार:प्रयागराज में मुख्य आरोपी ताज मोहम्मद गिरफ्तार, किशोरी की सहेली व आरोपी कैफ जेल में

प्रयागराज। फूलपुर में दलित किशोरी को धर्मांतरण के लिए बहला-फुसलाकर केरल ले जाने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी ताज मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पहले ही दो आरोपी कैफ और एक किशोरी जेल में हैं।मामला फूलपुर के लिलहट गांव का है। आरोपियों ने दलित किशोरी को महंगा मोबाइल और बेहतर जीवन का लालच दिया। उसकी सहेली ने कैफ और ताज मोहम्मद के साथ मिलकर उसे ले जाने की साजिश रची। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। करीब डेढ़ महीने बाद किशोरी ने केरल के त्रिपुर रेलवे स्टेशन से अपनी मां को फोन किया। उसने बताया कि वह पुलिस कस्टडी में है। फूलपुर पुलिस तुरंत केरल गई और किशोरी को प्रयागराज लेकर आई। पूछताछ में किशोरी ने आरोपियों की पूरी योजना बताई। पुलिस ने पहले किशोरी की सहेली और कैफ को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया। जांच में ताज मोहम्मद की भूमिका संदिग्ध पाई गई। उस पर आरोप है कि उसने किशोरी को धर्मांतरण के लिए तैयार किया। पीड़िता के परिवार का आरोप है कि आरोपी किशोरी का धर्म बदलवाकर उसे देश विरोधी गतिविधियों में शामिल करना चाहते थे। डीसीपी गंगानगर के अनुसार, पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। ताज मोहम्मद से पूछताछ जारी है।

बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष पुनः बने बी सागर

सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश व पूर्व राज्य सभा सांसद बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर मिर्जापुर मंडल में परिवर्तन किया गया जिसमें जनपद सोनभद्र का पुनः जिलाध्यक्ष बी सागर साहब को बागडोर सौंपा गया और जिला प्रभारी डॉ ओपी मौर्य साहब को बागडोर सौंपा गया जिससे कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बी सागर का माला फूल पहनाकर स्वागत किया गया साथ ही साथ डा ओ पी मौर्य का स्वागत किया गया बहुजन समाज पार्टी के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष बी सागर ने कहा कि मैं पूरी निष्ठा इमानदारी के साथ बहुजन समाज पार्टी से पद की गरिमा रखूंगा और कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रखकर पार्टी में मजबूती लाऊंगा और आने वाले पंचायत चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधानों की ज्यादा से ज्यादा सीटों को जिताकर बहन कुमारी मायावती के हाथों को मजबूत करने का काम करूंगा संतो गुरुओ महापुरुषों के बताए गए रास्ते पर चलकर मिशन मूवमेंट के कारवां को आगे बढ़ाता रहूंगा। जिला प्रभारी बनाए जाने डॉ ओपी मौर्य ने कहा कि मैं बहन कुमारी मायावती का आभार प्रकट करता हूं और अपने पद का सच्ची निष्ठा इमानदारी के साथ निर्वाह करुंगा सोनभद्र में बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करके सोनभद्र में अच्छा रिजल्ट देकर बहुजन के मिशन को आगे बढ़ाता रहूंगा। डॉक्टर राम अवतार चौहान मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल ने कहा कि बहन कुमारी मायावती राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा व पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश व पूर्व सांसद राज्यसभा के निर्देश पर आज बनाए गए सभी पदाधिकारियों का मैं दिल के गहराइयों से स्वागत करता हूं बधाई देते हुए सिर्श नेतृत्व को आभार प्रकट करता हूं और बहुजन समाज पार्टी मजबूत होगी यह उम्मीद करते हुए की संतो गुरुओ महापुरुषों का सपना साकार करने में सभी लोग अपनी जिम्मेदारियों को सही तरीके से निर्वहन करने का काम करते रहेंगे यही उम्मीद करता हूं। स्वागत करने वाले पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अविनाश शुक्ला बलवंत रंगीला अमन मौर्य कृष्ण कुमार उर्फ टॉम बाबा गिरी पवन प्रधान प्रेम नाथ गौतम भगवानदास भारती राम आसरे भारती विक्रम पटेल विद्या भारती मुन्ना भारती महेश मौर्या उमेश मौर्य राम लखन देहाती शंकर प्रसाद गोपाल दास कौशल महेश भारती शिवकुमार गोड जनार्दन पटेल धर्मेंद्र भारती छोटेलाल पैदल धर्मेश तिवारी प्रदीप पांडे अवधेश विश्कर्मा जेपी भारती छबीलाल भारती रामबली भारतीय सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान शिव की लीला और नारद मोह वर्णन

नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 जनता फ्लैट में 9 दिवसीय शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन कथा व्यास गौ भक्त पुष्कर कृष्ण जी महराज ने शिव लीला प्रसंग और नारद मोह का सुदंर वर्णन किया। भगवान शिव अजन्मा और अविनाशी हैं। लेकिन अपनी लीलाओं में यह कई बार बालक रुप में प्रकट हुए हैं लेकिन बाल रुप में इनकी सबसे प्रमुख लीला है देवी अनुसूइया और अत्रि मुनि के घर पुत्र रुप में प्रकट होना। आर डब्ल्यू ए के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता एन के सोलंकी ने कहा कि यह कथा समस्त पाकेट वाशी के सहयोग से हो रहा है सुबह आचार्य नितिन भारद्वाज और उमंग शर्मा के द्वारा व्यासपीठ पूजन और रुद्राभिषेक कराया गया। लाडली जी फाऊंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवानी ठाकुर ने कहा कि भगवान भोलेनाथ की लीलाओं का ध्यान करना और उनकी कथाओं को सुनना और पढना बड़ा ही पुण्यदायी होता है। उसमें भी पवित्र माह में इनका ध्यान और दर्शन करने के पुण्य का तो कहना ही क्या है। इस मौके पर अजय श्री वास्तव, प्रवीण शुक्ला, प्रमोद श्रीवास्तव, प्रदीप तोमर, शैलेश द्विवेदी, पंकज झा, मुरारी झा, अमितेश सिंह, राजेश राधव, बी बी मिश्रा, अरूण श्रीवास्तव, गुरमैल सिंह, रतन भारद्वाज, शिव जी चौधरी, बीरबल चौधरी,बिपीन झा, अमरेश झा, के सी झा, विजय झा, मनोज झा, जितेन्द्र सिंह, अनुरंजन मिश्रा इत्यादि भक्त गण मौजूद रहे।

यश दयाल विवाद पर बोले पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना- 'ये उनका निजी मामला, मै सोशल मीडिया से जानता हूं, कोई टिप्पणी नहीं करूंगा'

प्रयागराज। एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग ट्रायल्स के सिलसिले में प्रयागराज पहुंचे पूर्व भारतीय क्रिकेटर परविंदर अवाना ने आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान यश दयाल पर लगे कथित आरोपों को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि 'मैं इस मुद्दे पर एक क्रिकेटर की तरह ही बात करना चाहूंगा। यह यश दयाल का व्यक्तिगत मामला है, और मैं इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझता।' हाल ही में कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और मीडिया रिपोर्ट्स में यश दयाल पर कथित विवादास्पद गतिविधियों और बयानबाज़ी को लेकर सवाल उठाए गए थे। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी इस पर चर्चा गर्म है। इसी विषय पर सवाल पूछे जाने पर अवाना ने

बेहद संयमित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मैंने भी यह सब सोशल मीडिया के जरिए ही सुना है। क्या सच्चाई है, क्या नहीं – इस पर मैं कोई कमेंट नहीं करना चाहूंगा।' यश दयाल ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया अवाना मुद्दे से हटकर जब अवाना से यश दयाल के क्रिकेट करियर के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'उसने इस साल आईपीएल में बहुत अच्छी गेंदबाज़ी की। वह एक प्रतिभाशाली बॉलर है और उसकी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। अगर आप मुझसे उसके मैदान पर प्रदर्शन के बारे में पूछते हैं, तो मैं कहूंगा कि वह देश के लिए आगे खेलने की क्षमता रखता है।'परविंदर अवाना भारतीय टीम के लिए दो टी-20 मैच खेल चुके हैं और घरेलू क्रिकेट में दिल्ली की ओर से लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। वे अब उभरते खिलाड़ियों को तराशने के लिए विभिन्न क्रिकेटिंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से सक्रिय हैं, जिनमें ईवीसीएल भी एक प्रमुख आयोजन है। हालिया विवाद में यश दयाल पर सोशल मीडिया पर एक कथित आपत्तिजनक पोस्ट या जुड़ाव को लेकर आरोप लगे थे, हालांकि खिलाड़ी की ओर से अब तक कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है। बीसीसीआई या संबंधित आईपीएल फ्रेंचाइज़ी की ओर से भी अभी तक कोई जांच या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है।

यमुना ब्रिज सुसाइड-प्रेमी जोड़े की तलाश मे सर्च आपरेशन जारी,ब्रिज से लगाई थी मौत की छलांग, अभी पुलिस के हांथ शव नहीं लगे

प्रयागराज। शनिवार सुबह नए यमुना पुल से एक युवक और 11 वीं की छात्रा ने यमुना नदी में मौत की छलांग लगाई थी। जिसके बाद सामने आए लाइव वीडियो के आधार पर कीड़गंज पुलिस, जल पुलिस व एसडीआरएफ़ टीम ने दोनों की तलाश मे सर्च अभियान शुरू किया। सर्च आपरेशन को 48 घंटे से अधिक का समय बीत चुका है। इसके बाद भी पुलिस के साथ दोनों के शव नहीं लग सके है। तत्कालीन प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह करीब सात बजे एक लड़का और लड़की पुल पर पहुंचे थे। दोनों कुछ देर तक आपस में बात करते रहे और फिर अचानक रेलिंग पार कर एक साथ यमुना में कूद गए। राहगीरों के शोर मचाने पर पुलिस और जल पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से पूरे दिन सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन तेज बहाव के कारण युवक और युवती का कोई सुराग नहीं मिला। तलाश के दौरान घटनास्थल के पास एक पिट्ठू बैग मिला, जिसे खोलने पर छात्रा की 10वीं की मार्कशीट और अन्य शैक्षणिक दस्तावेज बरामद हुए। दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने छात्रा की शिनाख्त करछना क्षेत्र निवासी के रूप में की और उसके परिजनों को सूचना दी। शाम तक लड़की के परिजन कीडगंज थाने पहुंचे और बेटी की पहचान की, लेकिन युवती के साथ कूदे युवक के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस अभी युवक की पहचान में जुटी हुई है। पुलिस ने छात्रा के पिता को घटना की जानकारी दी, लेकिन पीड़ित पिता के मुंबई मे होने के चलते सोमवार को थाना पुलिस के पास पहुचने की बात कही जा रही है। इंस्पेक्टर कीडगंज संजय कुमार ने बताया कि लड़की की शिनाख्त हो चुकी है, लेकिन युवक की पहचान अब भी नहीं हो सकी है। दोनों की तलाश के लिए सोमवार को फिर से गोताखोरों के साथ व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जाएगा। पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

सावन की पहली बरसात ने रायबरेली को किया जलमग्न

रायबरेली। आज सावन के दूसरे दिन जनपद रायबरेली में देर रात से रुक - रुक कर झमाझम बरसात हुई ।इस बरसात ने नगर पालिका परिषद रायबरेली की पूरी पोल खोल कर रख दी । शहर का कोई भी ऐसा कोना नहीं था जो जल मग्न नहीं था। लगभग 12:00 बजे आज जनपद रायबरेली में काफी बरसात हुई। इस बरसात ने गली-गली ,मोहल्ला-मोहल्ला को जलमग्न कर दिया । नगर पालिका परिषद की लापरवाही के चलते आज यहां के नागरिक, छात्र-छात्राएं एक - एक फुट पानी को मंझा कर निकल रहे है। आज की बरसात ने नगर पालिका परिषद की पूरी पोल खोल दी।

निर्माणाधीन भवन में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला 19 वर्षीय छात्रा का शव।

रायबरेली। ग्राम पुरे लालू मजरे सतांव निकट गन्ना कांटा मैदान थाना गुरबक्श गंज में निर्माणाधीन भवन में 19 वर्ष की महिला का शव मिला है जिसकी शिनाख्त कुंवारी शिवानी पुत्री राजू के रूप में हुई।मृतका इंटर की छात्रा थी। बताया जा रहा है की मृतका के पिता ने थाना गुरबक्श गंज को प्रार्थना पत्र देकर सूचित किया की घटना की रात को उसकी पत्नी अन्य बच्चों के साथ अपने मायके गई थी। घर में वह और दो अन्य बेटियां थी। रात्रि में सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। सुबह उठकर देखा तो बड़ी बेटी शिवानी घर पर नहीं है। उस समय समझा गया कि वह शौच आदि करने गई है, किंतु काफी देर ना आने पर ढूंढा गया तो उसे पास के निर्माणाधीन भवन में भरे पानी में मृत पाया गया। मृतका के पिता ने पुत्री की हत्या की आशंका जताई है। थानाध्यक्ष संजय सिंह द्वारा बताया गया है कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद घटना की विवेचना की जाएगी। इस अवसर पर श्री देशराज पासी, राजेश कुरील, विमल कुमार सांवरा, विजय, सुनील ,हनुमान अंबेडकर ,सुरेश भारती ने प्रकरण की शीघ्र खुलासा किए जाने एवं घटना में संलिप्त को कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की है।

शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका ने चौथे दिन किया रुद्राभिषेक

'शिव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को जलाभिषेक पूजन करने को सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान रहा शिव मंदिर परिसर, रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर पर किया गया है आयोजन'

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका सुशीला पाठक द्वारा श्रावण मास के चौथे दिन पहले सोमवार को रुद्राभिषेक पूजन किया गया। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया। सावन माह के चौथे दिन पहले सोमवार को शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका सुशीला पाठक के साथ ही विमला देवी, प्रियंका गुप्ता व लीलावती देवी,भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के संरक्षक राजेश कुमार पाठक, ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्य, शिव शक्ति महिला मंडल की उपाध्यक्ष खुशबू मौर्य, लकी केसरी, ऋषिता केसरी, पंडित रेवती नाथ त्रिपाठी, रामा त्रिपाठी, उर्मिला देवी, करुणा सिंह, संध्या कुमारी, सपना देवी, सीता अग्रवाल, चंचला अग्रहरि को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य कौशल तिवारी ने दुध व गंगाजल से रुद्राभिषेक पूजन कराया। भिक्षुक भिखारी रमाशंकर गिरी उर्फ जंगली बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक पूजन किया जाएगा। सावन के पहले सोमवार को सुबह से ही शिव मंदिर में पूजन- अर्चन व जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। आरती, पूजन में प्रमुख रूप से साध्वी कृष्णावती, काली देवी, हीरा, परमानंद मौर्य, इन्द्रपति पांडेय महाराज, सुखराम महाराज, राजेंद्र महाराज, मुन्ना महाराज, सुरेश महाराज, लालू महाराज, मिश्रा सागर महाराज, अभय विवेकानंद मौर्य, डॉक्टर विजय, भईया लाल, गोविंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

'वैश्य समाज के गौरव आयोजन की तैयारियाँ तेज़ जनप्रतिनिधियों को भेजा गया सम्मानपूर्वक आमंत्रण'

नोएडा में आगामी 31 अगस्त 2025 को आयोजित होने जा रहे 'विराट वैश्य महासम्मेलन' के संबंध में आज अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने गाजियाबाद एमएलसी श्री दिनेश गोयल एवं नगर निगम की महापौर श्रीमती सुनीता दयाल से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होने हेतु औपचारिक आमंत्रण प्रदान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनय अग्रवाल के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर दोनों जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन किया एवं निमंत्रण पत्र सौंपा। श्री गोयल एवं श्रीमती दयाल ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सम्मेलन में सहभागिता की सहमति दी तथा अपने मार्गदर्शन और समर्थन से

कार्यक्रम को सफल बनाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से राजेश गुप्ता गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष दीपक गोयल, महानगर उपाध्यक्ष अभिषेक गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल राष्ट्रीय सचिव नवीन कुमार, मुनीश गर्ग कार्यक्रम के आयोजन को भव्य और उद्देश्यपूर्ण बनाने हेतु संगठन संकल्पित है।कार्यक्रम का उद्देश्य 'विराट वैश्य महासम्मेलन' का मूल उद्देश्य वैश्य समाज को सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक रूप से एकजुट करना, नवाचार को प्रोत्साहन देना और युवाओं को नेतृत्व तथा राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है। देशभर के उद्योगपति, समाजसेवी, व्यापारी एवं सामाजिक संगठन इस सम्मेलन में भाग लेने हेतु अत्यंत उत्साहित हैं। तैयारियां जोरों पर हैं, और यह आयोजन वैश्य समाज की एकता एवं सामूहिक चेतना का प्रतीक बनने जा रहा है।

आज सावन का पहला सोमवार,धनिष्ठा नक्षत्र और आयुष्मान योग के साथ ही गणेश चतुर्थी का भी दुर्लभ संयोग

प्रयागराज। आज 14 जुलाई को सावन का पहला सोमवार है।

सुबह से ही शिवालयों में जहां शिवभक्तों की भीड़ दर्शन और अभिषेक करने पहुंच रही है वहीं कांवड़ यात्रा की भी शुरूआत हो चुकी है।आज पहले सोमवार को धनिष्ठा नक्षत्र और आयुष्मान योग के साथ ही गणेश चतुर्थी का भी दुर्लभ संयोग बन रहा है। दूसरे सोमवार यानी 21 जुलाई को रोहिणी नक्षत्र में चंद्रमा वृषभ राशि में रहेंगे और कामिका एकादशी व सर्वार्थ सिद्धि योग का अद्वितीय संयोग बनेगा। इस दिन व्रत से भोलेनाथ व भगवान् विष्णु की विशेष कृपा होगी। 28 जुलाई तीसरे सोमवार को चंद्रमा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में रहेगा तथा चंद्रमा के सिंह राशि में होने से धनलाभ योग बनेगा। 4 अगस्त को अंतिम सोमवार के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, ब्रह्म और इंद्र योग बनने के साथ ही चंद्रमा अनुराधा नक्षत्र और चित्रा नक्षत्र से वृश्चिक राशि पर संचार करेंगे।स्थित श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के प्राचार्य ब्रजमोहन पांडेय बताते हैं 'श्रावण के प्रथम सोमवार यानी 14 जुलाई को राहुकाल दोपहर 12:00 बजे से 1:30 बजे तक रहेगा। इस दिन स्वाति नक्षत्र और सिद्ध योग भी बन रहा है, जो बेहद शुभ माना जाता है। इस बार सावन पूरे 30 दिनों का होगा जिसमें चार सोमवार आएंगे।श्रावण मासपर्यंत विधि-विधान से पूजा की जाए तो भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। साथ ही श्रावण मास के दौरान प्याज, लहसुन समेत सभी तामसिक चीजों से दूर रहें। व्रत के पारण के लिए फलाहार के रूप में फल, दूध, दही, साबूदाना, कुट्टू का आटा, सेंधा नमक आदि का सेवन कर सकते हैं।ब्रह्ममुहूर्त में उठकर नित्य क्रिया से निवृत्त होकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। घर और पूजास्थल की साफ-सफाई कर गंगाजल का छिड़काव करें।इसके बाद हाथ में जल, पुष्प और अक्षत लेकर व्रत का संकल्प लें। पूजन की थाली तैयार करें और एक वेदी पर भगवान् शिव, माता पार्वती व गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। शिवलिंग को गंगाजल कच्चे दूध, दही आदि से स्नान कराएं, इसके बाद शुद्ध जल से धोकर साफ करें। शिवलिंग पर भस्म, बिल्व पत्र, धतूरा, भांग, शमी पत्र, चंदन, अक्षत, धूप, दीप, फल, फूल, मिठाई अर्पित करें। भगवान शिव को चंदन का लेप करें और माता पार्वती को श्रृंगार का सामान अर्पित करें।रुद्री पाठ आता हो तो अति उत्तम है नहीं तो पूजन के दौरान ॐ नमः शिवाय मंत्र का 108 बार उच्चारण करें। शिवपंचाक्षर, शिव चालीसा, शिव तांडव स्तोत्र आदि का पाठ करें और उसके बाद भगवान की आरती करें।अंत में हाथ जोड़कर भगवान शिव से अपने जीवन में सुख, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना करें। सावन में इस तरह श्रद्धापूर्वक पूजन करने से भगवान शिव अपने भक्तों को आशीर्वाद देकर जीवन को खुशहाल बना देते हैं।

माँ गंगा सनातन सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा गंगा घाट सेल्फी पॉइंट नैनी पर प्रारम्भ हुई गंगा आरती

प्रयागराज/नैनी। महाकुम्भ 2025 उपरान्त माँ गंगा सनातन सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजक राज मिश्रा ने 101 दिवस गंगा अरेल पर माँ गंगा स्वच्छता अभियान के पश्चात् 10 जुलाई गुरु पूर्णिमा से गंगा अरेल घाट पर भव्य गंगा आरती प्रारम्भ हुई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्याय मूर्ति श्रीमती ऋचा पाठक, विशिष्ट अतिथि योगेश शुक्ला वरिष्ठ भाजपा नेता, डॉ0 पुष्पेन्द्र,बबलू पाण्डेय, विजय द्विवेदी उपस्थित थे। 101 दिन के गंगा स्वच्छता कार्यक्रम से लेकर गंगा आरती तक के सफर मे कंधे से कंधा मिला कर यथार्थ चतुर्वेदी ,अंकुश ठाकुर ,आकश दुबे, हर्ष मिश्रा अभिषेक पाण्डेय, आदर्श तिवारी ,उत्कर्ष शुक्ला ,शिवांक यादव ,शशांक,दिव्यांशु शुक्ला ,आदर्श मिश्रा ,हर्ष यादव,हर्षित शर्मा ,सुनील गिरी खड़े रहे और महाकुंभ भंडारा,101 दिवस माँ गंगा सफाई अभियान और माँ गंगा आरती सकुशल सम्पन्न करने में खड़े रहे अन्य ट्रस्ट परिवार के सदस्यों ने भी बढ़ चढ़ कर सहयोग किया। न्यायमूर्ति ऋचा पाठक ने माँ गंगा की सफाई करने एवं माँ गंगा आरती प्रारम्भ किए जाने के लिए माँ गंगा के भक्तो का आभार व्यक्त किया।

समाजसेवा में सक्रिय महिलाओं को नेतृत्व भूमिका में लाने की दिशा में युवा क्रांति सेना की पहल,श्वेता शुक्ला को बनाया गया संरक्षक सदस्य

नोएडा। युवा क्रांति सेना द्वारा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु एक और सशक्त कदम उठाया गया है। नोएडा निवासी और क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित माकूंस प्ले स्कूल की निर्देशिका समाजसेविका श्वेता शुक्ला को संगठन के संरक्षक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। यह घोषणा सेना के सलाहकार लोकेश चौहान ने श्वेता शुक्ला को नियुक्ति पत्र देकर किया और कहा समाज के प्रति श्वेता जी का दृष्टिकोण बेहद संवेदनशील और समर्पित है। पद प्राप्ति के तुरंत बाद श्वेता शुक्ला ने अध्यक्ष अविनाश सिंह, सखा एक पहल की अध्यक्षा विभा चुघ के साथ परम पूज्य आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी बालकानंद गिरि जी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। महाराज जी ने श्वेता की समाजसेवा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी महिलाएं ही नवभारत के निर्माण में संकल्प की भूमिका निभाती हैं। मातृशक्ति का जागरण ही समाज में संतुलन और संस्कार लाता है। संगठन के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा की हमारा उद्देश्य ऐसे प्रेरणादायक लोगों को संगठन से जोड़ना है जो समाज में बदलाव की मशाल बन सकें। इनके मार्गदर्शन से समाजसेवा के नए अध्याय खुलेंगे। श्वेता शुक्ला ने कहा कि मैं लंबे समय से समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए लगातार प्रयास कर रही हूं और यह पद मेरे प्रयासों को और शसक्त करने का कार्य करेगा।

स्टार्टअप की चाह रखने वाले युवाओं को दिशा देगा युवा उधमी शिखर सम्मेलन,अंतरराष्ट्रीय युवा कौशल दिवस के अवसर पर होगा शिखर सम्मेलन का आयोजन

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय युवा कौशल दिवस के अवसर पर दिल्ली स्थित भारत मंडपम में युवा उद्यमी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है,शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रही कांफ्रेंडरेशन आफ वूमंस एंटरप्रेन्योर्स आफ इंडिया (भारतीय महिला उद्यमी परिसंघ) द्वारा रविवार को सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में एक प्रेसवार्ता किया गया। प्रेस वार्ता के दौरान कांफ्रेंडरेशन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मीतू पुरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 15 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय युवा कौशल दिवस के अवसर पर दिल्ली स्थित भारत मंडपम में यंग एंटरप्रेन्योर्स सम्मिट का आयोजन किया जा रहा है सम्मेलन में स्टार्टअप चला रहे युवाओं को अपने स्टार्टअप को प्रदर्शित करने और उद्योग जगत के बड़ी हस्तियां और नीति निर्माता से सीधे जुड़ने का एक गतिशील मंच प्राप्त हो सकेगा उन्होंने बताया कि इस शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उपस्थिति रहेंगी,जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 'विकसित भारत 2047' की आधारशिला के रूप में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की नीतियों और योजनाओं पर के बारे में बताएंगी। वहीँ कांफ्रेंडरेशन की उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रिया रहेजा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिखर सम्मेलन में आईआईटी मद्रास,आईआई टी दिल्ली,एमिटी विश्व विद्यालय,मारवाह स्कूल समेत अन्य प्रमुख कॉलेज के युवा अपने स्टार्टअप का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही मूवर्स एंड पैकर्स के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल उद्योग विशेषज्ञ के रूप में मौजूद रहेंगे और अपनी सफल उद्यमशीलता यात्रा के अनुभव साझा करेंगे। मारुति सुजुकी के राहुल भारती ऑटोमोटिव क्षेत्र में नवाचार पर प्रकाश डालेंगे,शिखर सम्मेलन में एमएसएमई मंत्रालय की सुश्री मर्सी एपाओ लघु और मध्यम उद्यमों को समर्थन देने के लिए सरकारी पहलों पर चर्चा करेंगी वहीं वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में स्टार्टअप इंडिया की प्रमुख सुश्री ममता वेंकटेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और सरकार समर्थित अवसरों पर अपने विचार साझा करेंगी,ओरियन के दुष्यंत सिंह अपनी विशेषज्ञता और उद्यमिता के दृष्टिकोण से उपस्थित लोगों को प्रेरित करेंगे। कांफ्रेंडरेशन की यूथ अध्यक्ष परिधि रहेजा ने कहा इस शिखर सम्मेलन में स्टार्टअप पिच, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग सत्र शामिल होंगे,जो युवा उद्यमियों, निवेशकों और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे। इसका उद्देश्य नवीन विचारों और वास्तविक दुनिया के अवसरों के बीच की खाई को पाटना और युवाओं को उद्यमिता के माध्यम से भारत की विकास गाथा में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवा हो रहे है आत्मनिर्भर

नोएडा। प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवको की बेरोजगारी की समस्या दूर करने और प्रदेश के हुनरमंद व कर्मठ युवाओं को अपने पैरो पर खड़ा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की शुरूआत की है। इस योजना का मुख्य उददेश्य युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को अपना उद्योग शुरू कर स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 25 लाख रूपये तक एवं सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख रू0 तक ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इसमें प्रदेश सरकार द्वारा 25 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान लाभार्थी को उपलब्ध कराया जाता है. जो कि उद्योग क्षेत्र हेतु अधिकतम रू0 6.20 लाख तथा सेवा क्षेत्र हेतु रू0 2.50 लाख तक देय होता है। जो उद्यम के दो वर्ष तक सफल संचालन के उपरान्त अनुदान में परिवर्तित हो जाता है।प्रदेश में बहुत से ऐसे युवा है जो शिक्षित और किसी न किसी ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण अपना खुद का कोई उद्योग, स्वरोजगार शुरू नहीं कर पाते। मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि राज्य के ऐसे युवा इस योजना के अन्तर्गत आवेदन करें और अपना रोजगार शुरू करें। इसके लिए सरकार उनकी आर्थिक सहायता करेगी। प्रदेश के युवाओं को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत लाभान्वित कराते हुए उनको आत्मनिर्भर एवं सशक्त तथा आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए सरकार बड़ी तेजी से कार्य कर रही है। दूसरे राज्यों में काम करने वाले उत्तर प्रदेश के अर्द्धकुशल, कुशल श्रमिक, कारीगर, शिक्षित युवा प्रदेश में वापस आयें है। इन श्रमिकों को स्थाई रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ी तत्परता से कार्य किया है। इसके तहत सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से जुड़ी कई योजनाओं को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाया है। जहाँ से कोई भी पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकता है। प्रदेश सरकार बेरोजगार युवाओं को खुद का उद्योग स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना को बढावा दे रही है। इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के लिए वह जरूरी है कि लाभार्थी उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो और बेरोजगार हो। आवेदनकर्ता की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच की होनी चाहिए। और वह किसी बैंक का डिफाल्टर न हो। लाभार्थी को कम से कम हाईस्कूल पास होना जरूरी है तथा इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के पहले से इस तरह की किसी अन्य योजना का लाभ न उठा रहा हो। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत आवेदनकर्ता को आनलॉइन आवेदन करना होता है। आवेदनकर्ता के पास जन्मतिथि सम्बन्धी हाईस्कूल प्रमाण पत्र, आधारकार्ड, वोटर, आई0डी0 कार्ड, उ0प्र0 का स्थाई निवासी होने का प्रमाणपत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, उद्योग स्थापित करने के लिए भूमि/भवन का विवरण अभिलेख, मशीनरी उपकरण, साज-सज्जा हेतु वर्तमान दरों के कोटेशन, जाति प्रमाण पत्र, यदि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण प्राप्त किया है तो उसका प्रमाण पत्र, बी0पी0एल0 राशनकार्ड की प्रतिलिपि आदि अभिलेखों का आवेदन करते समय लगाने पड़ते है। बेवसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद जिला स्तर पर जिला चयन समिति के माध्यम से जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सम्बन्धित उद्योग के ऋण आदि की पत्रावली बनाकर अभिलेखों सहित सम्बन्धित बैंको को भेजी जाती है, जहाँ से लाभार्थी को ऋण उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी की इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवा लाभ उठाते हुए आत्मनिर्भर हो रहे है। इस योजनान्तर्गत जनवरी, 2025 तक 22,819 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए रू067937.44 लाख से अधिक धनराशि मार्जिन मनी के रूप में वितरित किया गया है। इस योजनान्तर्गत 2,27,352 से अधिक लाभार्थियों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। युवाओं द्वारा लगाने जा रहे उद्यमों से अन्य लोगों को भी रोजगार मिल रहा है, साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है।

राजकीय आईटीआई, निठारी में 14 जुलाई को लगेगा वृहद रोजगार मेला 500 से अधिक युवाओं के पास रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

रोजगार मेले में 10 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां नौकरी देने हेतु युवाओं के लेंगी इंटरव्यू

नोएडा। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत एक वृहद जनपद स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 14 जुलाई 2025 (सोमवार) को प्रातः 10:00 बजे से राजकीय आईटीआई, निठारी, गौतम बुद्ध नगर परिसर में आयोजित किया जाएगा।जिला समन्वयक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन यज्ञ देव सिंह ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य जिले के प्रशिक्षित एवं शिक्षित युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है। मेले में 10 से अधिक नामचीन नियोक्ता कंपनियाँ भाग लेंगी, जो विभिन्न क्षेत्रों में 500 से अधिक पदों के लिए भर्ती करेंगी। उन्होंने पात्रता के संबंध में बताया कि रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण अथवा किसी भी मान्यता प्राप्त कौशल विकास संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त युवक-युवतियाँ प्रतिभाग कर सकते हैं। यह मेला रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने सभी योग्य अभ्यर्थियों से यह भी अपील की है कि वे अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की छायाप्रति, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड आदि के साथ नियत तिथि पर राजकीय आईटीआई निठारी में उपस्थित होकर इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं।

थाना फेस-1 पुलिस द्वारा गांजा तस्करी करने वाला एक अभियुक्त गिरफ्तार

नोएडा थाना फेस-1 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से गांजा तस्करी करने वाला एक अभियुक्त विशाल पुत्र ज्ञान सिंह को सेक्टर-14, नाले की पटरी के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से 01 किलो 240 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है। अभियुक्त का विवरण- विशाल पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम भटोली, थाना बांसी, जिला सिद्धार्थनगर वर्तमान पता जेजे कॉलोनी, सेक्टर-10, थाना फेस-1 गौतमबुद्धनगर उम्र 21 वर्ष।

कलशयात्रा के साथ शुरू हुआ शिव महापुराण

नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 जनता फ्लैट के सेन्ट्रल पार्क में कलशयात्रा के साथ शिव महापुराण शुरू हुआ।शिव महापुराण की कलश यात्रा कथा पंडाल से चलकर एल आई जी, ग्रीन व्यू अपार्टमेंट, विवेक विहार, पावेक्ट 12 होते हुए कथा पंडाल में समापन हुआ। कथा व्यास गौ भक्त पुष्कर कृष्ण जी महाराज ने संगीत मयी कथा कहते हुए शिव भजन से कथा का आरंभ किया। कथा व्यास ने शिव महापुराण की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान शिव के महत्व, महिमा और उपासना का वर्णन करने वाला एक प्रमुख पुराण है। यह पुराण शिव के कल्याणकारी स्वरूप, विभिन्न रूपों, अवतारों और ज्योतिर्लिंगों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। शिव पुराण का पाठ और श्रवण करने से मनुष्य सभी पापों से मुक्त हो जाता है और शिवलोक को प्राप्त करता है। शिव पुराण में भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों, जैसे कि पंचदेवों में प्रधान, अनादि सिद्ध परमेश्वर, और निगमागम आदि शास्त्रों में महिमामंडित महादेव के रूप में वर्णन किया गया है। कल्याणकारी स्वरूपः शिव का अर्थ ही है कल्याणस्वरूप और कल्याणप्रदाता, इसलिए शिव पुराण शिव के कल्याणकारी स्वरूप का वर्णन करता है। शिव पुराण का पाठ और श्रवण करने से मनुष्य सभी पापों से मुक्त हो जाता है और उत्कृष्ट भोगों का उपभोग करके अंत में शिवलोक को प्राप्त करता है। शिव पुराण में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का गान किया गया है।शिव पुराण की कथा सुनने से चित्त की शुद्धि होती है और मन निर्मल हो जाता है। शिव पुराण में सफलता के लिए प्रेरणादायक बातें भी बताई गई हैं, जैसे कि ध्यान, एकाग्रता और धन का उचित उपयोग। शिव पुराण का पाठ करते समय ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करना चाहिए और किसी के प्रति गलत विचार नहीं रखने चाहिए। शिव पुराण का पाठ करने के लिए एक पवित्र स्थान का चयन करना चाहिए और विधिपूर्वक सच्चे मन से पाठ करना चाहिए। शिव पुराण का पाठ और श्रवण करने से मनुष्य सभी पापों से मुक्त हो जाता है। शिव पुराण की कथा सुनने से चित्त की शुद्धि होती है। शिव पुराण में ज्ञान और वैराग्य का वर्णन है, जो मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति में सहायक होता है। इस मौके पर अजय श्रीवास्तव, पंकज झा, प्रदीप तोमर,एस के तिवारी, शैलेश द्विवेदी, एन के सोलंकी, प्रमोद श्रीवास्तव, अनूप सिंह, जे पी सिंह, अमितेश कुमार सिंह, वी पी पांडेय, तिमिर बरोन, संजय मग्गू , संतोष सिंह, राजेश राघव, प्रद्युम्न श्रीवास्तव, शशि भूषण सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रेडिकॉन वेदांतम सोसाइटी निवासियों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर किया धरना प्रदर्शन

नोएडा। वेस्ट सेक्टर 16सी स्थित रेडिकॉन वेदांतम सोसाइटी निवासियों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर बिल्डर के ऑफिस पर धरना प्रदर्शन दिया। निवासियों का आरोप है कि लिफ्ट का ठीक से रखरखाव नहीं किया जा रहा है और यह खतरनाक स्थिति में है जिससे निवासियों के जीवन को खतरा है सुरक्षा व्यवस्था उचित नहीं है और सिक्योरिटी कैमरे कार्य नहीं कर रहे हैं.सोसायटी में कुत्तों का आतंक है वह निवासियों को प्रतिदिन काट रहे हैं और उन्हें निकाला नहीं जा रहा है निवासियों द्वारा उठाई गई समस्याएं प्रबंधन के ध्यान में लाई जाती हैं फिर भी कोई समाधान नहीं हो रहा है। बिल्डर ने फ्लैट बुकिंग के समय जो वादे किए थे उन्हें पूरा नहीं किया जा रहा है बिल्डर प्रबंधन द्वारा नियुक्त मैनेजर निवासियों की समस्याओं को नहीं सुनते हैं और जब भी कोई उन्हें शिकायत की जाती है तो वह पुलिस को बुलाकर झूठे आरोपों में मुकदमा दर्ज करने की धमकी देते हैं यह प्रक्रिया रेडिकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा बार-बार दोहराई जा रही है इसको लेकर निवासियों में काफी आक्रोश है आज निवासियों ने धरना प्रदर्शन किया उसके बाद थाने में जाकर बिल्डर के खिलाफ शिकायत की नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने बताया पिछले 5 वर्षों से बिल्डर फ्लैट निवासियों से नहीं मिल रहा है जिससे सोसायटी में दिन प्रतिदिन नई नई समस्या उत्पन्न हो रही है प्रोजेक्ट के कार्य अधूरे पड़े है 15 वर्ष बाद भी सोसाइटी कंप्लीट नहीं हुई है सोसायटी में फ्लैटों की रजिस्ट्री नहीं हो रही है जिससे लोग मालिकाना हक से वंचित है ऑथोरिटी से शिकायत की गई है।

आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों की हुई बैठक आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों की हुई बैठक

नोएडा। श्री आदर्श रामलीला सेवा ट्रस्ट कमेटी पुराना हैबतपुर ग्रेटर नोएडा वेस्ट, की एक बैठक हुई। जिसमे 22.9.25 को रामलीला आयोजित हेतु, सभी मुख्य बिन्दुओ पर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। एवं रामलीला की आगे की तैयारी कैसे शुरू की जाए इस पर विचार विमर्श किया गया। और सदस्यता अभियान चलाकर नए सदस्यों को जोड़ा जोड़ने पर भी चर्चा की गयी। ताकि इस वर्ष की आयोजित रामलीला को दिव्य और भव्य रूप से आयोजित किया जा सके। बैठक मे कमेटी के अध्यक्ष- कन्हैया गुप्ता,महासचिव- पप्पू पाण्डेय,सचिव-सचिन कुमार,सभी गणमान्य सदस्य उपस्थिति रहे।

महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 14.07.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम व एण्टी रोमियो टीमों द्वारा व्यापक रूप से जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिस कर्मियों व मिशन शक्ति टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित प्रमुख बाजारों, कस्बों, स्कूलों/कॉलेजों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य भीड़-भाड़ वाले महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर पहुँचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके सुरक्षा अधिकारों, सशक्तिकरण योजनाओं एवं सहायता संसाधनों के प्रति जागरूक किया गया। प्रमुख बिंदु- महिला सशक्तिकरण से संबंधित राज्य एवं केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना। निराश्रित महिला पेंशन योजना,राष्ट्रीय पोषण मिशन,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत योजना का प्रचार-प्रसार कर आमजन को उनके लाभों की जानकारी दी गई। महिलाओं की सुरक्षा हेतु संचालित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं संबंधित पंपलेट वितरित किए गए- वीमेन पावर लाइन - 1090, महिला हेल्पलाइन - 181, पुलिस आपातकालीन सेवा - 112, सीएम हेल्पलाइन - 1076, स्वास्थ्य सेवा - 102, एम्बुलेंस सेवा - 108, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग हेल्पलाइन - 1930, सहभागिता एवं संवाद जनजागरूकता अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषतः युवतियों व महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा या शोषण की स्थिति में बेझिझक रिपोर्ट करने हेतु प्रेरित किया गया। उपस्थित जनसमुदाय द्वारा इस पहल की सराहना की गई एवं पुलिस द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की अपेक्षा भी जताई गई। जनपद पुलिस द्वारा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जिससे समाज में महिला सुरक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त किया जा सके।

'जेपी पब्लिक स्कूल में आयोजित 2 दिवसीय सम्मेलन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी पब्लिक स्कूल में आयोजित (एमयूएन) सम्मेलन में जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया और उनके विचारों को सुना। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'मॉडल यूनाइटेड नेशन्स का यह मंच छात्र-छात्राओं में वैश्विक सोच, संवाद क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देता है। मुझे गर्व है कि हमारी युवा पीढ़ी इतनी परिपक्वता और समझदारी के साथ विचार-विमर्श कर रही है। आप आपस में बातचीत करें, टकराव नहीं, विचार रखें, वाद-विवाद करें, लेकिन गरिमा बनाए रखें, यही लोकतंत्र की आत्मा है। साथ ही आप जैसे पढ़े लिखे बच्चों को राजनीति में भी आगे आना पड़ेगा, क्योंकि आप सांसद भी बन सकते हैं और विधायक भी बन सकते हैं।' इस कार्यक्रम में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि ऐसे मंच न केवल बच्चों के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर सोचने और समस्याओं के समाधान के प्रति सजग बनाते हैं।

विधानसभा उत्तरी जोन अध्यक्ष करमा की मासिक बैठक संपन्न

सोनभद्र । घोरावल विधानसभा की मासिक बैठक उत्तरी जोन अध्यक्ष करमा अयोध्या सिंह पटेल के अध्यक्षता में सरंगा मार्केट में के निजी राज कुमार आवास में संपन्न हुआ, अपना दल एस घोरावल विधानसभा उत्तरी जोन अध्यक्ष करमा की मासिक बैठक हुआ, कार्यक्रम का सफल संचालन उत्तरी जोन उपाध्यक्ष करमा विनोद कोरी,विधानसभा मासिक बैठक में जोन/सेक्टर/बूथ के पदाधिकारी और सक्रिय सदस्यों ने अपना दल एस के/ पिछली कार्यवाही की पुष्टि पर विचार किया गया, विधानसभा कमेटी पर विचार किया गया,- जोन/सेक्टर/बूथ कमेटी पर विचार किया गया - आगामी पंचायत चुनाव पर विचार किया गया,- नवयुवकों को जोड़कर पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा किया गया,- जोन अध्यक्ष के अनुसारसन पर विचार किया गया,विधानसभा महासचिव घोरावल, ओमप्रकाश सिंह पटेल सत्य मणि सिंह पटेल , अयोध्या सिंह पटेल , विनोद कोरी , पार्वती कोल आदि लोग मौजूद रहे।

श्रावण मेला:शिवद्वार मन्दिर पर अधिकारियों ने की बैठक

घोरावल/सोनभद्र जनपद सोनभद्र का अति लोकप्रिय मंदिर शिवद्वार धाम में शनिवार देर शाम 6 बजे प्रशासनिक बैठक का आयोजन किया गया बैठक कि अध्यक्षता एडिशनल एसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने किया श्रावण मास 2025 को शकुसल संपन्न कराने हेतु शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति शिवद्वार धाम के पदाधिकारियों/सदस्यो,क्षेत्रीय गणमान्य लोगों,जनप्रतिनिधियों का सुझाव लेकर मेला व्यवस्था को और कितना बेहतर तरीके से शकुसल संपन्न कराया जा सके जिसके विषय में विस्तृत चर्चा हुई एडिसनल एसपी द्वारा विद्युत विभाग,एडीओ पंचायत, जल विभाग,पीडब्लूडी,नगर पंचायत,पुलिस विभाग के संधित अधिकारियों से मेला व्यवस्था में कार्य का जायजा भी लिया गया और जिस कार्य में अभी सिथलिता हैं उसमे अति शीघ्र कार्य को पूरा करने का निर्देश भी दिया गया उपजिलाधिकारी घोरावल प्रदीप कुमार यादव द्वारा कहा गया कि श्रावण मेला व्यवस्था कि तैयारिया कि जा चुकी है किसी भी प्रकार कि कोई समस्या सामने आती है प्रशासन मुस्तैद रहेगी जलाभिषेक नियमित रूप से होता रहेगा क्षेत्राधिकारी ने मंदिर के गेट खुलने व दर्शन पूजन का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य, विद्युत, खतरनाक सर्प दंश से बचने के लिए दवा एवं मंदिर व्यवस्था के विषय में निर्देशित किए बैठक के दौरान राजबहादुर सिंह, संजय, प्रवीण, विनीत, लवकुश,मोहित, शिवम, राघवेंद्र, मुख्यपुजारी सुबास गिरी शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति के पदाधिकारी रविंद्र कुमार मिश्र अध्यक्ष, श्रीकांत दुबे उपाध्यक्षा, सितारामा कोषाध्यक्ष, शिवकुमार सदस्य,कृष्णकांत सदस्य समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

बेटे को देख बूढ़े पिता के आंखों से छलके आंसू, 22 साल बाद अचानक घर वापसी पर आसपास गांव के लोग पहुंचे मिलने

सोनभद्र।सदर कोतवाली क्षेत्र के देवरी खुर्द गांव में बीते 22 शाल बाद अचानक घर वापसी पर परिजनों में खुशी का माहौल,आस पास गांव के शुभ चिंतकों की लगी भीड़। बता दें कि देवरी खुर्द गांव निवासी महेंद्र नाथ पति त्रिपाठी ने बताया कि मेरी दो शादी हुई थी पहले बीवी से दो लड़के दूसरी से तीन यह पहली पत्नी के लड़का था बैंढ़न शक्तिनगर में प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर रहा था अचानक वहां से सूचना मिली कि वह गायब हो गए इनका एक लड़का है पिता महेंद्र नाथ पति त्रिपाठी ने बताया कि मेरा बेटा परीक्षित त्रिपाठी उम्र 55 वर्षीय जो बैढ़न शक्तिनगर में प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर रहे थे शादी विवाह के 8 ,9 साल नौकरी के दौरान ही न जाने कहां चले गए बहुत खोजबीन सालों तक किया गया लेकिन कोई खोज खबर नहीं मिली अचानक 22 साल बाद घर वापसी उनको देखकर पूरा परिवार खुशी की आंसू रो पड़ा आसपास गांव के लोग भी उनको देखने व उनसे मिलने आए हुए अभी कुछ उनसे नहीं पूछा गया किन कारण से वह ऐसा कदम उठाए थे यह वही बता पाएंगे गांव घर में खुशियों का माहौल छाया हुआ है दूर दराज रिश्तेदारों को भी सूचना दे दी गई है।

शिव शक्ति महिला मंडल ने किया रुद्राभिषेक व सुंदरकांड पाठ, श्रावण मास भर चलेगा रुद्राभिषेक कार्यक्रम,रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में किया गया है आयोजन

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा श्रावण मास के दूसरे दिन भी रुद्राभिषेक कार्यक्रम किया गया। इसके अलावा शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।शिव शक्ति महिला मंडल की अध्यक्ष किरन मोदनवाल, राधिका केसरी, सारिका गुप्ता, पिंकी केशरी, श्रेया विश्वकर्मा, चंदा केशरी, लाडो केशरी, पूनम शुक्ला, विद्या विश्वकर्मा, प्रियंका गुप्ता ने सुंदरकांड पाठ किया। वहीं सावन माह के दूसरे दिन शनिवार को शिव शक्ति महिला मंडल की संरक्षिका विमला देवी, प्रियंका गुप्ता व लीलावती देवी, गोविंद गुप्ता, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्य, शिव शक्ति महिला मंडल की उपाध्यक्ष खुशबू मौर्य, लकी केसरी, पंडित रेवती नाथ त्रिपाठी, रामा त्रिपाठी, डाक्टर विजय, उर्मिला देवी, भईया लाल व करुणा सिंह को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य राधे कृष्ण तिवारी ने दुध से रुद्राभिषेक पूजन कराया। भिक्षुक भिखारी रमाशंकर गिरी उर्फ जंगली बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा शनिवार को सुंदरकांड पाठ किया गया।वर्ष 2024 से ही महिला मंडल द्वारा प्रत्येक शनिवार को सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। इस मौके पर साध्वी कृष्णावती, कालो देवी, हीरा, परमानंद मौर्य, विवेकानंद मौर्य, इन्द्रपति पांडेय, मनोज केशरी, रितिका केशरी, कलावती चौबे, सुखराम महाराज, राजेंद्र महाराज, मुन्ना महाराज, सुरेश महाराज, लालू महाराज, सागर महाराज , अभय आदि मौजूद रहे।। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

चोरों ने लाखों के जेवर रोडवेज बस से की चोरी, पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

सदर कोतवाली क्षेत्र के सुकृत स्थित एक ढाबे के समीप की बताई जा रही घटना

सोनभद्र। कोतवाली क्षेत्र में विगत दिनों काफी चोरियों की घटना हुई एक दो घटनाओं का ही हो सका खुलासा चोरों के हौसले बुलंद पीड़ित भटक रहे अधिकारियों के ऑफिस ऑफिस। बता दे कि विगत दिनों पीड़ित शिक्षक सुदीप गुप्ता परिवार। के साथ 24 जून 2025 को वाराणसी से शक्तिनगर रोडवेज बस से चला की सुकृति चौकी क्षेत्र के एक ढाबे पर बस रुकने के दौरान उनके बैग से लाखों रुपये मूल्य के गहने चोरी हो गया। पीड़ित ने बताया कि जब बैग मे छेड़छाड़ समझ आया तो उन्होंने तत्काल बस के ड्राइवर व कंडक्टर से संपर्क किया, लेकिन अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। परिवार की महिला सदस्य, बच्चों सहित इस घटना के प्रत्यक्ष साक्षी हैं। श्री गुप्ता ने घटना की शिकायत न केवल बस स्टाफ से की, बल्कि अगले दिन प्रभारी सुकृत चौकी और अन्य अधिकारियों को भी दी। इसके बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई या परिणाम सामने नहीं आया है।वही बता दें कि प्रशासनिक लापरवाही या सुनियोजित षड्यंत्र? संदेह है कि यह केवल एक सामान्य चोरी नहीं बल्कि एक सुनियोजित आपराधिक घटना है जिसमें संभवतः बस कर्मियों की मिलीभगत हो सकती है। ढाबे पर घटना के सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग की माँग पर पता चला कि डीवीआर ही 'खराब' है। पूर्व में भी इसी स्थान पर कई यात्रियों के साथ ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। शिक्षक श्री गुप्ता ने पिछले 4 तारीख को पुलिस अधीक्षक को मामले से अवगत कराया वही कहा कि बस चालक-कंडक्टर की भूमिका की गहराई से जांच हो, सीसीटीवी व डीवीआर की फॉरेंसिक जांच करवाई जाए।

पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र द्वारा प्रतिदिन की भांति जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

सोनभद्र। प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक- 14.07.2025 को श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/ महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/ शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

दो दिन मनाया जाएगा विश्व युवा कौशल दिवस।

सोनभद्र। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 15.जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाएगा।इस अवसर पर आयोजित मेले में दो दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन 14 जुलाई 2025 को दीनदयाल ग्रामीण कौशल् योजना के अन्तर्गत जनपद स्तरीय वृहद रोजगार मेला का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार में किया जा रहा है । मेले में लगभग 1000 से अधिक पदों पर भर्ती हेतु अब तक 12 कम्पनियों ने अपनी सहमति दी है। जिसमें प्रमुख रूप से पेटीएम सर्विसेज प्रा0लि0, जय भारत मारूति, डीलक्श बीयरिंग प्रा0लि0, वर्धमान ग्रुप, अकुल मैनपॉवर कन्सल्टिंग प्रा0लि0, पोर्टिया, मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा0लि0, इंस्टा ह्यूमन्स मैनेजमेंट प्रा0लि0, शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड इत्यादि कम्पनियां भाग ले रही हैं। जिला सेवायोजन कार्यालय के द्वारा पंजीकृत 2000 लोगों को संन्देश भेजकर बेरोजगार युवकों को रोजगार मेले में आमंत्रित किया गया है। रोजगार मेले में लगभग 3000 अभ्यर्थियों के भाग लेने की सम्भावना है। मेले की तैयारियां राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली परिसर में की जा रही है। 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष में जनप्रतिनिधियों द्वारा रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया जाएगा । पूर्व में प्रशिक्षितों में से सेवायोजित प्रशिक्षार्थियों को कौशल यूथ आईकॉन सम्मान से सम्मानित कराया जाएगा। जनपद के युवा इस दो दिवसीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक उपस्थित होकर लाभ उठा सकते हैं।

जन अधिकार पार्टी की माशिक बैठक हुई सम्पन्न

सोनभद्र। जन अधिकार पार्टी जनपद सोनभद्र की माशिक बैठक सिचाई डाक बंगला रावट्र्सगंज में सम्पन्न हुई ।माशिक बैठक में आये मुख्य अतिथि विंध्य मंडल अध्यक्ष रामचंद्र त्यागी ने जिला कमेटी सोनभद्र एवं विधान सभा इकाई घोरावल, रावट्र्सगंज, ओबरा एवं दुद्धी के संगठन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए पंचायत चुनाव की तैयारी में मजबूती से लग जाने को कहा। विशिष्ठ अतिथि वाराणसी मण्डल प्रभारी सुमंत सिंह मौर्य ने कहा कि जिस संबिधान की बदौलत बहुजन समाज सुरक्षित है एवं अपने हक अधिकारों को प्राप्त करता है उस सम्बिधान को आज की सरकार समाप्त कर ऊच नीच विचार धारा वाला संविधान लागू कर बहुजन समाज को लाचार गुलाम बनाना चाहती है जिसे जन अधिकार पार्टी किसी भी दशा में बरदास्त नही करेगी।जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा कि जन अधिकार पार्टी आंदोलन का नाम है जो सत्ता के साथ व्यवस्था परिवर्तन करना चाहती है जिससे बहुजनो के साथ हो रहे अन्याय,अत्याचार बंद हो सके और यह तभी सम्भव है जब देश मे संविधान का राज अस्थापित होगा।मण्डल सचिव/जिला प्रभारी श्रीपति विश्वकर्मा ने कहा कि जन अधिकार पार्टी चाहती है कि देश मे जाती जनगणना कराकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्रो में संख्या के अनुपात में लोगो की हिस्सेदारी सुनिश्चित किया जाए जिससे हर जाति समाज के लोगो को उनका हिस्सा प्राप्त हो सके ।बैठक में घोरावल विधानसभा अध्यक्ष विनोद कुमार मौर्य, अनुरुद्ध सिंह,लाल बहादुर सिंह,विजय मौर्य,भागवत सिंह,सुक्खू प्रसाद,राजेंद्र देहाती,राजनाथ सोनकर सहित अनेको पदाधिकारी/ कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन जिला महासचिव रविरंजन शाक्य ने किया।

खराब सड़क को लेकर रहवासियों ने नपा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन,पूर्व में भी दिए गए कई पत्र ,सीसी रोड़ व नाली निर्माण की मांग

सोनभद्र। राबट्र्सगंज नगर पालिका क्षेत्र के लाखन बाबा मंदिर से पुसौली सम्पर्क सड़क मार्ग की निर्माण कराये जाने के मांग को लेकर रहवसियों ने रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद को ज्ञापन सौंपा। रहवासियों में सुरेंद्र पटेल, सुरेंद्र जायसवाल, पीतांबर प्रताप सिंह, रमेश सिंह, अखिलेश सिंह, अरुण प्रताप सिंह, अजीत कुमार, राजीव कुमार गौतम, राजेश कुमार आदि ने ज्ञापन के माध्यम से मांग किया कि राजा लाखन बाबा मंदिर से पुसौली सम्पर्क मार्ग पर इन दिनों बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है। बारिश के वजह से इन गड्ढों में पानी भर गया है। जिससे पैदल, साइकिल, मोटर साइकिल, टोटो रिक्शा को आने जाने में दिक्क़तों का सामना करना पड़ रहा है। बड़ा गड्ढा होने के कारण कई बार तो टोटो रिक्शा सवारी लेकर गिर भी चुके है। बारिश के कारण लोग कीचड युक्त चलने को मजबूर है। स्थानीय लोगों ने वार्ड के विकास को लेकर जनप्रतिनिधियों के प्रति उपेक्षा का भी आरोप लगाया है। लोगों का कहना है की सड़क व नाली निर्माण का कार्य जल्द से जल्द शुरू कराया जाए। जिससे लोगों को आवागमन में दिक्क़तों का सामना न करना पड़े। इधर नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि जिलाधिकारी के समक्ष पीडब्लूडी व डूडा के अधिकारियों के साथ वार्ता कर सड़क निर्माण में आ रही दिक्कतों को दूर किया जायेगा। फिलहाल गड्ढों में गिट्टी व जेएसबी के लिए जेई को निर्देशित कर तत्काल गिरवाया गया है जिससे की लोगों को कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। जनता की समस्या का समाधान करना मेरी पहली प्राथमिकता है।

आपके द्वार कार्यक्रम चलाकर उठाएंगे जनहित के मुद्दे:श्रीकांत त्रिपाठी, कार्यसमिति की बैठक में जनसमस्याओं का लगा अंबार

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल जिला कार्यसमिति की मासिक बैठक राष्ट्रीय लोक दल जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में दूर दराज से आए सदस्यों एवं पदाधिकारियों के साथ किसानों ने जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के सामने क्षेत्रिय समस्याओं को रखा। इस क्रम में चतरा विकास खंड के भिक्खमपुर गांव से आये किसान सौरभ सिंह ने बताया कि उनकी ग्रामपंचायत चकबंदी के लिए चयनित है बावजूद इसके चकबंदी विभाग द्वारा चकबंदी न किये जाने से गांव के किसानों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ओबरा तहसील से आईं राष्ट्रीय लोक दल महीला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष शांति वर्मा ने बताया कि ओबरा खनन क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण से स्थानीय कामगारों में सिलिकोसिस की शिकायत तेजी से बढ़ रही है बताया कि यह टीवी का एक प्रकार है जो कामगारों के बच्चों का बचपन भी छीन रहा है। श्रीमती वर्मा ने खनन क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों और उनके बच्चों के स्वास्थ की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक क़दम उठाए जाने की बात कही। इधर चतरा क्षेत्र से आये किसानों ने सिंचाई विभाग की लापरवाही की चर्चा करते हुए कहा कि विभाग द्वारा नहरों की साफ-सफाई और मरम्मत का काम नहीं किए जाने से क्षेत्र में किसानों में काफी असंतोष है। नहरों का पानी क्षेत्र में विवाद का कारण बनता जा रहा है। रामगढ़ से आये किसान ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी रामगढ़ की एक जमीन पर दबंगों द्वारा तब कब्जा कर लिया गया जब उस जमीन का विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। चतरा विकास खंड के विक्रमपुर गांव से बैठक में आये किसान मूरली चौहान ने बताया कि पिछले इक्कीस साल से जिम्मेदार विभागों द्वारा 500 मीटर सड़क का निर्माण नहीं कराया जा सका जिससे गांव में आना-जाना नारकीय हो जाता है बरसात के दिनों में। इसी तरह चरकोनवा ग्राम पंचायत से आये किसान बृजमोहन मौर्या ने मीडिल स्कूल से चरकोनवा संपर्क मार्ग का निर्माण कराने की मांग किया। ग्राम पंचायत पवर से आये श्रेत्र पंचायत सदस्य ने गांव में ठेकेदार द्वारा हाई मार्क लाइट लगाने में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए बताया गया कि ठेकेदार ने अपने नीजी लाभ हेतु ऐसा किया। इसके अलावा भी आये क्षेत्रिय किसानों ने अपनी अपनी समस्याओं को गिनाया। जिसे गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि बैठक में आयी सभी समस्याओं को क्रमबद्ध तरीके से जिलाधिकारी सोनभद्र के संज्ञान में लाते हुए जनहित के कामों का निस्तारण यथाशीघ्र कराया जायेगा। वही युवा लोग दल के प्रदेश सचिव विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि शीघ्र ही राष्ट्रीय लोक दल के द्वारा ' राष्ट्रीय लोक दल आपके द्वार ' के बैनर तले लोकदल के लोग गांवों में लोगों के दरवाजे पर जायेंगे और गांवों की समस्याओं को भौतिक रूप से सत्यापित करते हुए जनहित के कामों का निस्तारण जिम्मेदार अधिकारियों से मिलकर कराने का काम करेंगे। विवेक चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार के द्वारा लगातार जनहित में काम किया जा रहा है लेकिन जिले में तैनात जिम्मेदार अधिकारी भ्रष्टाचार, अन्याय रोकने में उदासीनता बरत रहे हैं जो बेहद चिंता का विषय है। श्री चतुर्वेदी ने सोनभद्र राजस्व एवं पुलिस विभाग की भूमिका पर सवाल खड़े किए और आरोप लगाया कि भू-माफिया पर अंकुश लगाने में सोनभद्र पुलिस और राजस्व विभाग असफल होता जा रहा है। जनपद में वन भूमि और राजस्व की भूमि पर भूमाफिया लगातार काबिल होते जा रहे हैं। ने लोढ़ी गांव में स्थित टोल प्लाजा के बगल में मुख्य राज मार्ग पर करोड़ों की वन भूमि पर कागज़ी हेराफेरी कर कब्जा कराने का उदाहरण भी दिया। ने कहा की जीरो टॉलरेंस की योगी मोदी सरकार को बदनाम करने वाले भ्रष्टचारी अधिकारी और कर्मचारी कार्यशैली में सुधार लाएं और जनहित का काम ईमानदारी से करें अथवा राष्ट्रीय लोक दल उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करेगा। बैठक में आये सदस्यों को जिम्मेदारी देकर संगठन विस्तार भी किया गया। इस क्रम में विजय कुमार सिंह को लोकदल जिला उपाध्यक्ष, शिवपूजन तिवारी जिला उपाध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ, रोहित सिंह जिला महासचिव, पवन शुक्ला जिला महासचिव संगठन, विकास पाण्डेय को जिला मीडिया प्रभारी, गंगेश्वर सिंह पटेल जिला उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग, अरविंद सिंह को जिला सचिव , कलावती देवी को विधानसभा अध्यक्ष दुद्धी, चन्दन बियार जिला सचिव, विमलेश राव ब्लाक अध्यक्ष नगवां, राजेश गुप्ता ब्लाक अध्यक्ष चतरा, राजेश राव ब्लाक अध्यक्ष घोरावल, चन्द्र भान सिंह को कोषाध्यक्ष, पृथ्वीराज सिंह गुर्जर जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। बैठक में नागेश्वर खरवार, विजय भारती, काशी नाथ देव पाण्डेय, विनोद मिश्रा, अनिल प्रताप सिंह, राजेश कुमार, कलावती देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं और किसानों ने भाग लिया और राष्ट्रीय लोक दल को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

मृतक लेखपाल के विरोध में संघ ने कार्यबहिष्कार जताया आक्रोश,हापुड़ में गलत निलंम्बन के बाद मृतक आत्मा की शांति हेतु शोकसभा किया

सोनभद्र। हापुड़ में जिलाधिकारी द्वारा निलंबित किये गए लेखपाल सुभाष मीणा के समर्थन में सोनभद्र के लेखपालों ने दिया उप जिलाधिकारी सदर राबट्र्सगंज को मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन सोमवार को प्रान्तीय संगठन उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आहवान पर पूरे प्रदेश के समस्त जनपदो के तहसील में जनपद हापुड़ के जिलाधिकारी के द्वारा बिना जांच किए जनपद हापुड़ में कार्यरत लेखपाल सुबाष मीणा को निलम्बित किया गया जिससे आहत होकर सुबाष मीणा की अवसाद व तनाव में जाने के कारण मृत्यु हो गई। जो अत्यन्त हृदय विदारक घटना हैं। इस हृदय विदारक घटना से क्षुब्ध होकर घटना के विरोध में सोमवार को तहसील राबर्द्रसंगज (सदर) में प्रातः 10.00 से 2.00 बजे तक कार्य बहिस्कार किया जा रहा हैं। उक्त घटना के क्रम में मुख्यमंत्री को उचित माध्यम उपजिलाधिकारी राबर्ट्सगंज (सदर) को ज्ञापन उप शाखा तहसील राबट्र्सगंज लेखपाल संघ के अध्यक्ष/मंत्री द्वारा दिया गया। मौके पर जिलाअध्यक्ष सोनभद्र एवं सभी पदाधिकारीगण तहसील सदर सतप्रतिशत उपस्थित रहे. मौके पर मुख्य रूप से सुबोध सिंह, साजिद खान,संजय सिंह, सिंह,हृदयेश ,भगवान, मनोज,पंकज, रत्नेशअरविंद, संजीव कुमार, मनीष, रेशमा कंचन, श्वेता सिंह, निशा, मनीष सिंह,अनिता रूबी,प्रियंका,प्रिया आदि लेखपाल उपस्थित रहें।

बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल पति से अलग हुईं:बोलीं- बहुत सोचने के बाद हम दोनों ने फैसला लिया; 7 साल पहले लव मैरिज की थी

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल ने रविवार देर रात अपने पति और बैडमिंटन प्लेयर पारुपल्ली कश्यप (पी. कश्यप) से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी में लिखा, 'बहुत सोच-विचार के बाद, कश्यप और मैंने अलग होने का फैसला किया है।' साइना ने लिखा, 'जिंदगी कभी-कभी हमें अलग-अलग दिशाओं में ले जाती है। हम एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और उबरना चुन रहे हैं। मैं उनके साथ सभी यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं। हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।' साइना नेहवाल ने 14 दिसंबर, 2018 को कश्यप पारुपल्ली के साथ लव मैरिज की थी। दोनों 2007 से रिलेशनशिप में थे। हालांकि, 2005 से एक-दूसरे को जानते थे। अपने करियर के शुरुआती दिनों में दोनों हैदराबाद के पुलेला गोपीचंद एकेडमी में एक साथ ट्रेनिंग करते थे। साइना ने हैदराबाद में पी. कश्यप से उनके घर पर शादी की थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। दोनों ने 16 दिसंबर, 2018 को हैदराबाद के नोवोटेल होटल में अपनी शादी की रिसेप्शन पार्टी दी थी। इस हाई-प्रोफाइल रिसेप्शन पार्टी में खेल जगत से वी चामुंडेश्वरनाथ, किदांबी श्रीकांत, ज्वाला गुट्टा, अश्विनी पोनप्पा, सुधीर बाबू और सिनेमा इंडस्ट्री से नागार्जुन, रकुल प्रीत सहित कई

चर्चित चेहरे शामिल हुए थे। साइना ने फैशन डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी का डिजाइन किया हुआ नीला रंगे का वेलवेट लहंगा पहना था। वहीं कश्यप ने सिल्क की ब्लू शेरवानी पहनी थी, जिस पर हाथ से कारीगरी की गई थी। सब्यसाची ने एक ट्वीट में कपल के कपड़ों की डिटेल्स शेयर की थी।हरियाणा की रहने वाली साइना नेहवाल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे 2015 में विमेंस सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर?-1 प्लेयर रह चुकी हैं। साइना बैडमिंटन में वर्ल्ड नंबर-1 रैंक हासिल करने वाली एकमात्र महिला भारतीय खिलाड़ी हैं। वे 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। साइना ने 2010 और 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन विश्व जूनियर चैंपियनशिप जीतकर सुर्खियां बटोरी थीं। उसी साल उन्होंने पहली बार ओलंपिक में हिस्सा लिया। वह ओलिंपिक क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने हॉन्गकॉन्ग की तत्कालीन वर्ल्ड नंबर-5 खिलाड़ी वांग चेन को हराया था, लेकिन इंडोनेशिया की मारिया क्रिस्टिन युलियांती से हार गईं। 2009 में, साइना बीडब्लूएफ सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। साइना को 2009 में अर्जुन अवॉर्ड और 2010 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पारुपल्ली कश्यप तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। यह 32 सालों में किसी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी का कॉमनवेल्थ गेम्स में पहला मेडल था। कश्यप ने पूर्व ऑल-इंग्लैंड चैंपियन प्रकाश पादुकोण और पुलेला गोपीचंद, दोनों के स्टूडेंट रहे हैं। वह 2012 में ओलिंपिक के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी भी हैं। 2013 में कश्यप वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 थे। यह उनके करियर की सबसे ऊंची रैंक थी। हालांकि, लगातार चोटों के कारण लंबे समय तक इस पोजिशन पर नहीं टिक सके।

इटली के जैनिक सिनर ने जीता विम्बलडन,पिछले 2 टाइटल जीतने वाले अल्काराज को हराया,5 हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल हारे थ

लंदन। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने विम्बलडन के मेंस सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। सिनर ने पहली बार यह टाइटल जीता

है। वे विम्बलडन चैंपियनशिप का मेंस सिंगल्स टाइटल जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने हैं। लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट में इटली के सिनर ने रविवार रात को 3 घंटे 4 मिनट चले मुकाबले में स्पेन के कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने अल्काराज से 5 हफ्ते पुराना हिसाब भी चुकता कर लिया है। 8 जून 2025 को अल्काराज ने सिनर को हराकर फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था। सिनर ने पहली बार विम्बलडन ट्रॉफी जीती है। वे विम्बलडन चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स टाइटल जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। यह सिनर का चौथा ग्रैंड स्लैम टाइटल है। वे ऑस्ट्रेलिया ओपन में 2 (2024, 2025) और यूएस ओपन में एक (2024) बार चैंपियन बन चुके हैं।सिनर ने पहली बार विम्बलडन जीतने पर कहा, मेरे अलावा सिर्फ मेरे करीबी लोग ही जानते हैं कि हमने टेनिस कोर्ट और कोर्ट के बाहर क्या कुछ झेला है। ये बहुत स्पेशल है। मैं अपने सपने को जी रहा हूं। विम्बलडन के पिछले 2 टाइटल जीतने वाले अल्कराज अपने इटैलियन प्रतिद्वंद्वी सिनर के खिलाफ 5 मैच बाद हारे हैं। अल्कराज ने 3 घंटे 4 मिनट चले इस मैच का पहला सेट 6-4 से जीता और मैच में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। यहां से इटली के सिनर ने लगातार तीन सेट 6-4, 6-4, 6-4 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।एक दिन पहले शनिवार, 12 जुलाई को पोलैंड की इगा स्वातेक ने विंबलडन के विमेंस सिंगल्स का खिताब जीता था। उन्होंने फाइनल में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराया।विम्बलडन टेनिस का सबसे पुराना टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत 148 साल पहले 1877 में हुई थी। विम्बलडन इकलौता ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसका आयोजन कोई नेशनल टेनिस एसोसिएशन नहीं करता है। इसका आयोजन ऑल इंग्लैंड क्लब कराता है। प्रिंसेस ऑफ वेल्स इस क्लब की मालकिन होती हैं। इस समय कैथरीन एलिजाबेथ मिडिलटन इसकी मालकिन हैं।विम्बलडन साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम है। इसे टेनिस के चार ग्रैंड स्लैम में सबसे प्रतिष्ठित भी कहा जाता है। टेनिस के कैलेंडर ईयर में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में यूएस ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

सिराज पर मैच फीस का 15फीसदी फाइन लगा, एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया, डकेट को आउट करने के बाद आक्रामक जश्न मनाया

नयी दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत फाइन लगा है। मैच फीस के अलावा उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। सिराज लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के चौथे दिन बेन डकेट को आउट करने के बाद एग्रेसिव सेलिब्रेशन करते नजर आए थे। यह आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन के बराबर है। डकेट के विकेट पर सिराज का एग्रेसिव सेलिब्रेशन रविवार को छठे ओवर में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में अपना पहला विकेट गंवाया। सिराज ने शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल फेंकी। बेन डकेट पुल करने गए, लेकिन बॉल ज्यादा नहीं उछली और वे मिड ऑन पर जसप्रीत बुमराह के हाथों कैच हो गए। डकेट का विकेट मिलते ही सिराज एग्रेसिव सेलिब्रेशन करते नजर आए। वे दौड़ते हुए डकेट के पास गए और उनसे अपना कंधा टकरा दिया। जिसके बाद फील्ड अंपायर सिराज को समझाने पहुंच गए। डकेट 12 रन बनाकर आउट हुए।सिराज ने अपराध स्वीकार किया सिराज ने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता समाप्त हो गई। यह आरोप मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर अहसान रजा और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड द्वारा लगाया गया था।24 महीने में सिराज को दूसरा डिमेरिट पॉइंट 24 महीनों की अवधि में सिराज का यह दूसरा डिमेरिट पॉइंट था, जिससे उनके डिमेरिट पॉइंट्स की संख्या दो हो गई। उनका पिछला डिमेरिट पॉइंट 7 दिसंबर, 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट के दौरान आया था। 24 महीने की अवधि में चार या उससे ज्यादा डिमेरिट पॉइंट जमा करने वाले खिलाड़ियों पर बैन लगाया जा सकता है। क्या कहता है कोड ऑफ कंडक्ट का नियम आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पॉइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है। लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है। सिराज पर 1 डिमेरिट पॉइंट का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, अगर कोई खिलाड़ी 24 महीने में चार या ज्यादा डिमेरिट पॉइंट जमा करता है, तो वे सस्पेंशन पॉइंट में बदल जाते हैं, जिसके बाद खिलाड़ी पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 मैचों का बैन लग सकता है। डिमेरिट पॉइंट 24 महीने तक रिकॉर्ड में रहते हैं, इसके बाद वे हटा दिए जाते हैं।

वरुण आरोन सनराइजर्स हैदराबाद के नए बॉलिंग कोच बनेःफ्रेंचाइजी ने कहा- कोचिंग में आक्रामक बॉलर का स्वागत है, भारत से 9 टेस्ट खेले

नयी दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 सीजन

के लिए वरुण आरोन को अपना नया गेंदबाजी कोच बनाया है। वे न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। एसआरएच ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, हमारे कोचिंग स्टाफ में एक आक्रामक बॉलर का स्वागत है। वरुण आरोन एसआरएच के नए बॉलिंग कोच होंगे।वरुण आरोन ने 2011 से 2015 के बीच भारत के लिए 9 टेस्ट और 9 वनडे खेले थे। इस साल 5 जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी का मैच उनका आखिरी मुकाबला रहा। झारखंड की टीम नॉकआउट में नहीं पहुंच सकी और इसके बाद आरोन ने अपने क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया।35 साल के आरोन ने तेज गेंदबाज के रूप में शानदार शुरुआत की थी और 150 किमी/घंटा से ऊपर की गति से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा था। उस समय चयनकर्ताओं ने उन पर और उमेश यादव पर खास ध्यान दिया था। उमेश यादव ने 50 से ज्यादा टेस्ट खेले, वहीं आरोन को लगातार चोटों के कारण अधिक मौका नहीं मिल पाया और वे टीम से बाहर होते चले गए। रिटायरमेंट के बाद आरोन टीवी कमेंट्री और क्रिकेट विश्लेषण के रूप में काम कर रहे हैं।

किंग्स्टन टेस्ट- दूसरे दिन 15 विकेट गिरे,वेस्टइंडीज पहली पारी में 143 रन पर ऑलआउट, दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया 99/6

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 15 विकेट गिरे। रविवार को दूसरे दिन वेस्टइंडीज की टीम 143 रन पर ऑलआउट हो गई। वहीं, दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 99 रन पर ही 6 विकेट गंवा दिए हैं।दूसरे दिन वेस्टइंडीज 143 रन पर ऑलआउट दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने 16/1 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। जॉन कैंप्बेल ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। शाई होप 23, रोस्टन चेज और जस्टिन ग्रीव्स ने 18-18 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने 3 विकेट झटके। जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने 2-2 विकेट लिए। जबकि ब्यू वेबस्टर और मिचेल स्टार्क को 1-1 विकेट मिला।दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 29 ओवर में 99 रन के ही स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए। कैमरन ग्रीन 42 और पैट कमिंस 5 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। सैम कोंस्टस और एलेक्स कैरी खाता भी नहीं खोल सके। ट्रैविस हेड ने 16, उस्मान ख्वाजा ने 14, ब्यू वेबस्टर ने 13, और स्टीव स्मिथ ने 5 रन बनाए। वेस्टइंडीज से अल्जारी जोसेफ ने 3 और शमार जोसेफ ने 2 विकेट लिए। जस्टिन ग्रीव्स को 1 विकेट मिला।वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन कंगारू टीम 225 रन पर ऑलआउट हो गई। जमैका के सबीना पार्क, किंग्स्टन में 12 जुलाई को मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया।

हिसार की बेटी का भारतीय हैंडबॉल टीम में चयनःएशियन यूथ वूमेन चैंपियनशिप में दिखाएंगी दम, 15 जुलाई से चीन में आयोजित

नयी दिल्ली। हिसार जिले के बिठमड़ा गांव स्थित डीसीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल की स्टूडेंट अमृता उर्फ मीतू ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गांव, क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है। अमृता का चयन 11वीं एशियन यूथ वूमेन हैंडबॉल चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय हैंडबॉल टीम में हुआ है। यह प्रतियोगिता 15 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक चीन में आयोजित की जाएगी।हैंडबॉल एसोसिएशन के मुख्य सचिव तेज राज ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृता ने हाल ही में आयोजित इंडिया कैंप में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके आधार पर उसे टीम इंडिया में शामिल किया गया। तेज राज ने विश्वास जताया कि भारत की टीम इस बार बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त करेगी। टीम इंडिया के कोच नवीन पुनिया, सचिन चौधरी, साईं कोच कार्तिकेय और अरुण का भी विशेष धन्यवाद किया गया, जिन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया। हैंडबॉल कोच कपिल, सुनील, सुरेंद्र, राजेश दलाल, धर्मवीर, स्कूल स्टाफ, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों ने भी खुशी जाहिर करते हुए अमृता को ढेरों शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर कोच सुखविंद्र, मुनिश, बहादुर, रमेश और पूजा के योगदान को भी सराहा गया और उनकी मेहनत की खुले दिल से प्रशंसा की गई।अमृता की यह उपलब्धि न सिर्फ बिठमड़ा गांव, बल्कि पूरे उकलाना क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उसकी लगन, मेहनत और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।इस शानदार उपलब्धि पर डीसीएम स्कूल के चेयरमैन संजय डीसीएम, डायरेक्टर राजू डीसीएम, प्रिंसिपल सुनील शर्मा, मंजू सेहरा और गुरमेल ने अमृता को ढेरों शुभकामनाएं दीं। साथ ही भारत के मुख्य सचिव हेतराज, हरियाणा सचिव संदीप कोटिया, हिसार सचिव राजेश ग्रेवाल को भी बधाई दी गई।

अब हद पार कर रहे अंग्रेज, ब्रायडन कार्स ने मारी रविंद्र जडेजा को टक्कर, बीच में घुस गए बेन स्टोक्स

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स पर खेला जा रहा है। इस मैच का आज आखिरी दिन चल रहा है। इसी बीच रविंद्र जडेजा और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स के बीच मैदान पर टक्कर हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों के बीच बहस हो गई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को बीच में आकर मामला शांत करना पड़ा।जडेजा और कार्स में भिड़ंत इंग्लैंड ने भारत को 193 रनों का लक्ष्य दिया था। जवाब में भारत की शुरुआत खराब रही और उसने जल्दी-जल्दी विकेट खो दिए। यह घटना 35वें ओवर की आखिरी गेंद के बाद हुई। जडेजा ने एक शॉट खेला और रन लेने के लिए दौड़े। उसी समय कार्स भी गेंद की तरफ देख रहे थे और दोनों आपस में टकरा गए। कार्स को गुस्सा आ गया क्योंकि उनका संतुलन बिगड़ गया था। जडेजा को भी चोट लग सकती थी। दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद स्टोक्स ने बीच बचाव किया। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें जडेजा और कार्स के बीच बहस होती दिख रही है। दिन के पहले सेशन में इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने भारत के चार बल्लेबाजों को आउट कर दिया। ऋषभ पंत को जोफ्रा आर्चर ने बोल्ड कर दिया और उन्हें गुस्से में मैदान से बाहर जाने का इशारा भी किया। आर्चर ने पंत को 'फायरी सेंड-ऑफ' दिया।केएल राहुल, जो अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, बेन स्टोक्स की गेंद पर एलबीडब्लू आउट हो गए। राहुल ने 39 रन बनाए। इसके बाद आर्चर ने वाशिंगटन सुंदर को अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लेकर आउट कर दिया। सुंदर बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। भारत की पारी लड़खड़ा गई और 82 रन पर 7 विकेट गिर गए।

गाली दी, कंधा मारा, फिर भी सजा नहीं... आईसीसी के रवैये पर भड़का दिग्गज, मोहम्मद सिराज को बनाया निशाना

नयी दिल्ली। लंदनः इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने आईसीसी पर खिलाड़ियों को आचार संहिता तोड़ने पर जुर्माना लगाने में एकरूपता न बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने मोहम्मद सिराज पर बेन डकेट को आक्रामक विदाई देने के लिए मैच फीस का 15फीसदी जुर्माना लगाने पर सवाल उठाया। ब्रॉड ने यह भी पूछा कि भारत के कप्तान शुभमन गिल को लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान लाइव टेलीविजन पर 'गाली' देने के बावजूद क्यों छोड़ दिया गया। सिराज और गिल को मिलनी चाहिए सजा- ब्रॉड ब्रॉड का मानना है कि आईसीसी को या तो सिराज और गिल दोनों पर जुर्माना लगाना चाहिए था या किसी पर भी नहीं। उनका कहना है कि 'निरंतरता महत्वपूर्ण है' और अगर खिलाड़ी आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करते

इंग्लैंड के 7 प्लेयर्स बोल्ड हुए,वोक्स ने राहुल का कैच छोड़ा, स्वीप शॉट खेलने में बोल्ड हुए हैरी ब्रूक

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। रविवार को मुकाबले के चौथे दिन विकेट लेने पर मोहम्मद सिराज ने एग्रेसिव सेलिब्रेशन किया। हैरी ब्रूक स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में बोल्ड हुए। भारत ने पहली बार टेस्ट की एक पारी में 7 प्लेयर्स को बोल्ड किया। 1. भारत ने 7 प्लेयर्स को बोल्ड किया दूसरी पारी में इंग्लैंड के 7 प्लेयर्स बोल्ड हुए। जैक क्रॉली और बेन डकेट कैच आउट हुए, वहीं ओली पोप एलबीडब्लू हुए। टीम इंडिया ने टेस्ट की एक पारी में पहली बार 7 प्लेयर्स को बोल्ड किया। पहली पारी में इंग्लैंड के 5 प्लेयर्स बोल्ड हुए थे। यानी मैच में भारत ने 12 बोल्ड किए, यह भी टेस्ट इतिहास में टीम इंडिया ने पहली बार ही किया। टेस्ट में 136 साल बाद किसी टीम के आखिरी 7 बैटर्स बोल्ड हुए। 1889 में आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ केप टाउन में साउथ अफ्रीका के 7 बैटर्स बोल्ड हो गए थे। इंग्लैंड से तीसरी बार टेस्ट में 12 बोल्ड हुए। इससे पहले 1882 में सिडनी और मेलबर्न के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में टीम के 12 प्लेयर्स बोल्ड हुए थे। 1887 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में ही इंग्लैंड के 14 खिलाड़ी भी बोल्ड हो चुके हैं।2. सुंदर के 100 इंटरनेशनल विकेट पूरे टीम इंडिया के ऑफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर ने दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। इसी के साथ सुंदर के तीनों फॉर्मेट मिलाकर 100 विकेट भी पूरे हो गए। सुंदर ने महज 20 रन देकर 4 विकेट लिए। वे साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम रन देकर 4 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने। उनसे पहले हरभजन सिंह 2010 में डरबन के मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ महज 10 रन देकर 10 विकेट ले चुके हैं।3. शुभमन इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय शुभमन गिल लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में 6 ही रन बना सके। इसके बावजूद वे इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज के दौरान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बन गए। शुभमन ने राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2002 में 602 रन बनाए थे। शुभमन के नाम 3 टेस्ट में 607 रन हो गए। सीरीज के 2 टेस्ट अब भी बाकी हैं। टॉप मोमेंट्स- 1. बुमराह की बॉल से क्रॉली के हाथ से बैट छूटा चौथे दिन के दूसरे ओवर में जसप्रीत बुमराह की बॉल एक्स्ट्रा बाउंस होकर इंग्लिश ओपनर जैक क्रॉली के ग्लव्स पर जा लगी। जिससे क्रॉली के हाथ से बैट छूट गया। गेंद हवा में खड़ी हो गई। बुमराह ने फॉलो-थ्रू में ही कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वे कैच नहीं पकड़ सके।2. डकेट के विकेट पर सिराज का एग्रेसिव सेलिब्रेशन छठे ओवर में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में अपना पहला विकेट गंवाया। मोहम्मद सिराज ने शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल फेंकी। बेन डकेट पुल करने गए, लेकिन बॉल ज्यादा नहीं उछली और वे मिड ऑन पर जसप्रीत बुमराह के हाथों कैच

हो गए। डकेट का विकेट मिलते ही सिराज एग्रेसिव सेलिब्रेशन करते नजर आए। वे दौड़ते हुए डकेट के पास गए और उनसे अपना कंधा टकरा दिया। जिसके बाद फील्ड अंपायर सिराज को समझाने पहुंच गए। डकेट 12 रन बनाकर आउट हुए। 3. डीआरएस के कारण आउट हुए ओली पोप 12वें ओवर में भारत को दूसरा विकेट मिला। मोहम्मद सिराज ने ओली पोप के खिलाफ गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। पोप डिफेंस करने गए, लेकिन बॉल उनके पैड्स पर लग गई। भारत ने एलबीडब्लू की अपील की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। सिराज के कहने पर कप्तान शुभमन गिल ने रिव्यू लिया। रिप्ले में नजर आया कि बॉल स्टंप्स को ही लगती। अंपायर ने अपना फैसला बदला और पोप 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। यह सिराज का पारी में दूसरा विकेट था।4. स्वीप शॉट खेलने में बोल्ड हुए हैरी ब्रूक 22वें ओवर में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक का विकेट भी गंवा दिया। ओवर की चौथी बॉल आकाशदीप ने लेग स्टंप पर गुड लेंथ पर फेंकी। हैरी ब्रूक स्वीप शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद मिस कर गए। बॉल सीधे स्टंप्स को जा लगी। ब्रूक को 19 गेंद पर 23 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।5. वोक्स ने राहुल का कैच छोड़ा पांचवें ओवर में क्रिस वोक्स ने अपनी ही बॉलिंग पर केएल राहुल का कैच छोड़ दिया। वोक्स ने ओवर की तीसरी बॉल फुलर लेंथ फेंकी। राहुल ने स्ट्रैट ड्राइव खेलना चाहा, लेकिन गेंद वोक्स की ओर हवा में खड़ी हो गई। गेंद वोक्स के कमर की ऊंचाई पर आई, उन्होंने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल छूट गई। राहुल को 5 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला। उन्होंने पहली पारी में शतक लगाया था।6. डीआरएस लेने के कारण बचे शुभमन 15वें ओवर में शुभमन गिल डीआरएस के कारण आउट होने से बच गए। ओवर की पहली बॉल ब्रायडन कार्स ने फुलर लेंथ आउट स्विंगर फेंकी। शुभमन गिल ड्राइव करने गए, लेकिन बॉल मिस कर गए। इंग्लैंड ने कॉट बिहाइंड की अपील की और अंपायर ने आउट दे दिया। शुभमन ने रिव्यू लिया, डीआरएस में नजर आया कि गेंद शुभमन के बैट से नहीं लगी। अंपायर ने अपना फैसला बदला और शुभमन 2 रन के स्कोर पर आउट होने से बच गए। हालांकि, वे ज्यादा देर टिक नहीं सके और 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर एलबीडब्लू हो गए। उन्होंने 6 रन बनाए।

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल

रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.12 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक

फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम

16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और

रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं। पर वित्त के मामले में ये 'इंफॉर्मेशन इन' और 'इंफॉर्मेशन आउट' का मामला ही है। इसीलिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लेना एआई के लिए बहुत आसान होगा। हरारी का पूर्वानुमान है कि एक बार एआई वित्त क्षेत्र में हावी हुआ तो यह उन उपकरणों में निवेश शुरू कर देगा, गणितीय जटिलताओं के कारण मानव मस्तिष्क जिनसे निपटने में अक्षम है। अब ऊपर बताए पहाड़ों को देखें, जिन्हें दोहराना बंद करने के कारण हमारे बच्चे अंकों के साथ मजबूत रिश्ता नहीं बना पाए। मोबाइल ने नंबर्स याद रखने की हमारी मेमोरी छीन ली। कोई भी ये मानने से इनकार नहीं कर सकता कि एआई गणना कर सकने वाला एक एजेंट तो है, लेकिन ऐसा औजार नहीं जिसका नियंत्रण हमारे हाथों में हो।

बड़ी लड़ाई में हारकर छोटी सफलताएं बटोर रहा है पाक

आश्चर्य की ही बात कहलाएगी कि पाकिस्तान अपने घरेलू सियासी

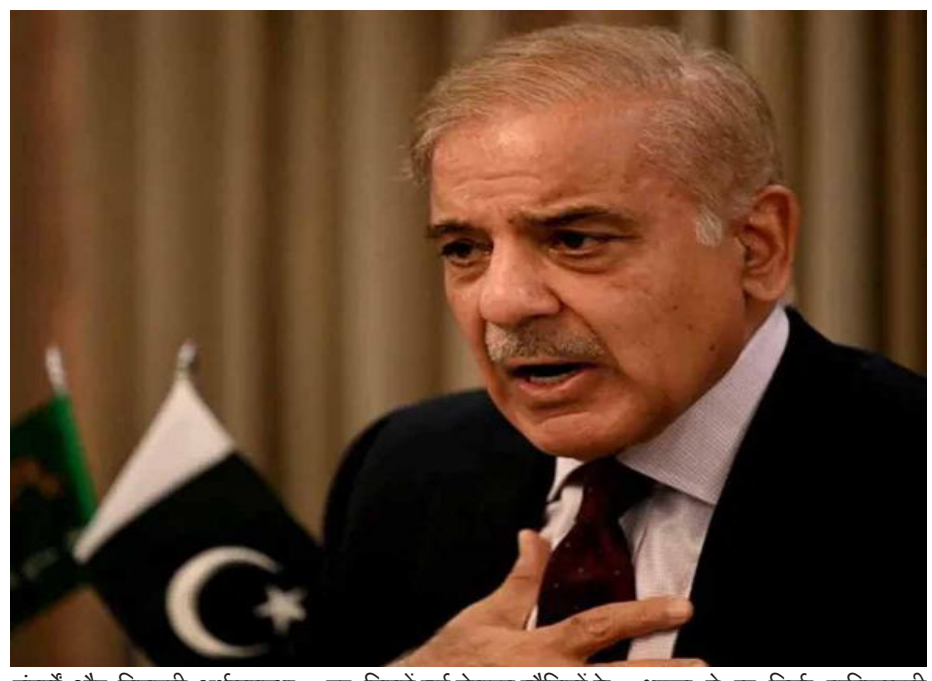

संघर्षों और घिसटती अर्थव्यवस्था के बावजूद अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की नजर में एक प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ी बना हुआ है। यही कारण था कि वह 193 में से 182 सीटों के बड़े समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट जीतने में सफल रहा। जनवरी से दो साल के लिए इसका कार्यकाल शुरू होगा। पहलगाम हमले के कुछ ही सप्ताह बाद संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को यूएन 1373 आतंकरोधी समिति का उपाध्यक्ष और 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। यह बताता है कि स्वयं संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों में से सबसे ज्यादा को पनाह देने वाले पाकिस्तान को विश्व को कैसे देखता है। यह भारतीय कूटनीति की विफलता को भी बताता है। लेकिन अंदरूनी तौर पर पाकिस्तान में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। मई 2023 में इमरान खान की गिरफ्तारी के वक्त पाकिस्तान में भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची थी। बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिनमें कई सेवारत फौजियों के परिजन भी शामिल थे। कई सैन्य ठिकानों, रावलपिंडी स्थित जीएचक्यू और कोर कमांडर के घर तक पर हमले हुए। 2024 में पाकिस्तान नेशनल असेंबली के चुनाव में भी ऐसी ही अशांति देखी गई थी। भले ही इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ का चुनाव चिह्न छिन गया, लेकिन इसके बावजूद उसके द्वारा समर्थित 100 निर्दलीय चुनाव जीते। यह असेंबली की कुल सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा हिस्सा था। ये तब है जब चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के पक्ष में हेराफेरी हुई थी। पीएमएल (एन) और बिलावल भुट्टो की गठबंधन सरकार अब विश्वसनी?यता खो रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि हाल के भारत-पाक संघर्ष को भुना कर खुद को फील्ड मार्शल बनाने वाले आसिम मुनीर जल्द ही इस सरकार को हाशिए पर धकेल दें। भारत के साथ टकराव के बाद पाकिस्तान अपनी जीत-हार को लेकर भले कुछ भी कहता हो, लेकिन तथ्य यह है कि भारत ने ना सिर्फ पाकिस्तानी मिसाइलों, ड्रोन हमलों से अपनी सफलतापूर्वक सुरक्षा की, बल्कि पाकिस्तान की एयर डिफेंस प्रणाली को भी ध्वस्त कर दिया। लड़ाई खत्म होते-होते भारत इस स्थिति में आ गया था कि वह पाकिस्तान में जहां चाहे, हमला कर सकता था। भारत ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय के समीप नूरखान और कई अन्य हवाई ठिकानों पर हमला कर इसे साबित भी कर दिया। लेकिन इस सबके बावजूद पाकिस्तान इस लड़ाई को लेकर दुनिया के सामने अपना नैरेटिव पेश करने में बेहतर रहा। भारत के लचर सूचना प्रबंधन के चलते पाकिस्तान को जीत का दावा करने का मौका ?मिल गया। भारतीय कूटनीतिक दबाव को हटाकर वो यह बताने में सफल रहा कि पहलगाम हमले में उसका हाथ नहीं था। 60 से अधिक देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की पर एक ने भी पाकिस्तान को दोष नहीं दिया।

जो दिखेगा वही बिकेगा, तो दूसरे कलाकारों का क्या?जब मैं बड़ा हो रहा था, रेडियो सीलोन पर बिनाका

गीतमाला में अमीन सयानी गाना सुनाने से पहले गाना बनाने वालों का नाम बताते थे- गीतकार, संगीतकार और गायक। बरसों तक

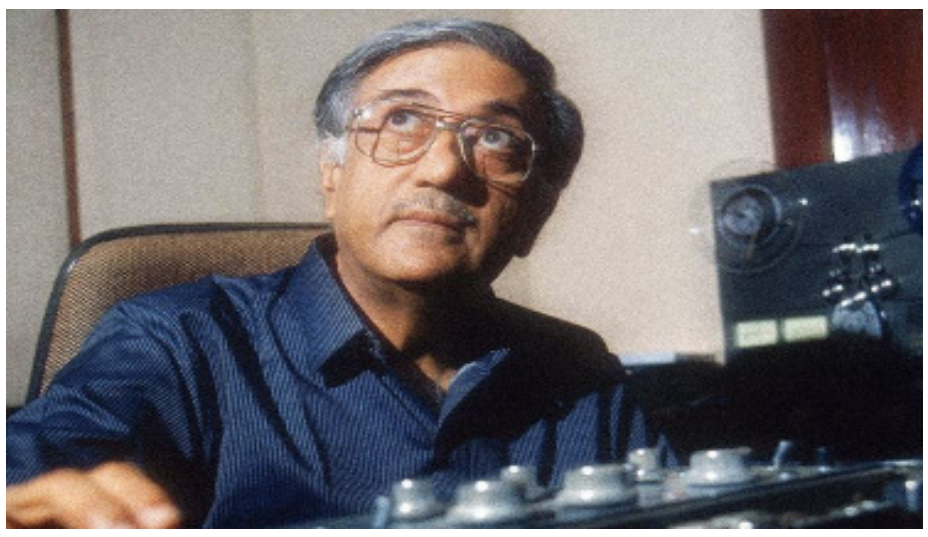

ये परंपरा रही। धीरे-धीरे साहिर, अनजान, आनंद बख्शी, नक्श लायलपुरी से बात बढ़ते-बढ़ते यहां तक पहुंची कि 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है' गुलाम अली की गजल बन गई, हसरत मोहानी का जिक्र ही नहीं हुआ।जबकि हसरत मोहानी उस गजल से कहीं बड़े आदमी थे। 1921 में 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा उन्होंने ही दिया था। अब गाना अरिजीत सिंह का होता है या सोनू निगम का, गीतकार-संगीतकार का नाम बार-बार लेने में रेडियो-टीवी समय बर्बाद नहीं करते।जबकि प्रोग्राम अब ज्यादा समय के हो गए हैं। अमीन सयानी तो हफ्ते में एक बार ही आते थे। ऐसा नहीं है कि गुलाम अली या सोनू निगम का योगदान कम है, लेकिन दर्शक नेपथ्य के कलाकारों को जगह देगा, तो उनकी सामर्थ्य बढ़ेगी। ये थंबनेल का समय है। यूट्यूब या जहां कहीं भी दर्शक एक तस्वीर देख के वीडियो पर क्लिक करता है, एक व्यू बढ़ जाता है। कितने व्यू बने- इससे आमदनी तय होती है। थंबनेल की तस्वीर से तय होता है कि दर्शक ने क्यों क्लिक किया। यहीं से समस्या की शुरुआत होती है। जो दिखेगा, वो बिकेगा- तो अमिताभ भट्टाचार्य का क्या? इरशाद कामिल का क्या? उन तमाम नेपथ्य के कलाकारों का क्या? कुछ कलाएं ऐसी होती हैं, जिनके लिए पूरी टीम काम करती हैं। उसका श्रेय सिर्फ एक का नहीं होता। और जब दर्शक सिर्फ एक को श्रेय देना शुरू कर दे, तो सामर्थ्य का असंतुलन शुरू होता है। जब पहली बार न्यूज एंकरों की होर्डिंग लगी थी देश में, वहीं से टीवी पत्रकारिता का पतन शुरू हो गया था। कथावाचक, कथा से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। अब मोहभंग का दौर है- वाचकों से, नायकों से। अब शिकायत कथा से है। पर कथा की अकेले की सामर्थ्य कम हो चली है। उसे तो हमने ही पीछे छोड़ा ना? जमीन का जो पत्रकार था, जो सच लेकर आता था, वो या तो खत्म हो गया या वो भी वाचक बन गया। आज स्थिति ये है कि समाचार में संगीत बज रहा है। सोचिएगा, बहुत त्रासदी का विषय है। शिकायत करते हैं कि दर्शक की देर तक जुड़ने की क्षमता कम हो गई है। अटेंशन स्पान घट गया है। ये झूठ है। फिल्मों में निर्देशक तकलीफ में है। उसकी कुर्सी उसके नीचे से खींच ली गई है। वह बमुश्किल कहानी को बचाकर आप तक लाने का प्रयास कर रहा है। अकसर हार रहा है, कभी-कभी जीत भी जाता है। उसे दर्शक का हाथ चाहिए। फिल्में बनती कैसे हैं? एक व्यक्ति को कहानी कहनी होती है। उसके साथ कलाकार जुड़ते हैं, धन जुड़ता है और फिल्म बनती है। पर सिनेमा ऐसी कला है, जिसमें कई विधाओं की जरूरत होती है- और ढेर सारे धन की भी। करोड़ों रुपए। इतने पैसों में बड़े-बड़े उद्योग शुरू हो जाते हैं, जो सालों तक रोजगार और मुनाफा देते हैं। फिल्म को उद्योग मानें, तो उसकी उम्र दो-तीन साल की ही होती है। लेकिन फिल्म एक कला भी है, और कला कलाकार को बेचैन कर देती है। वो रास्ते निकाल लेता है। दिल से लिखी गई कहानी को समीकरण समझ में नहीं आते। कला प्रेम से उपजती है। वो शृंगार का प्रेम हो सकता है, विद्रोह का हो सकता है, असहमति का हो सकता है।

प्रेम को समीकरण नहीं सिखाए जा सकते। अब सामर्थ्य धन के पास है और धन आता है थंबनेल से। थंबनेल पर क्लिक कौन करता है? दर्शक। सबसे ताकतवर शख्स। कलाकार वो करना चाहता है, जो पहले नहीं किया गया। धन वही करना चाहता है, जो पहले सफल रहा है। यही भयंकर मतभेद है। तो अब थंबनेल पर जिसकी तस्वीर है, वही सबसे महत्वपूर्ण बन गया है। कहानी अकेली पड़ गई है। फिर भी निर्देशक को उम्मीद रहती है कि वो अपनी कहानी कह पाएगा। कभी-कभी वो कह भी लेता है। अच्छी फिल्में बन भी जाती हैं। लेकिन ज्यादातर मौकों पर निर्देशक हार जाता है। कभी आत्मसमर्पण कर देता है, कभी उसे पता भी नहीं चलता कि वो कब बह गया। पिछली दस फिल्में याद कीजिए, जो अच्छी लगी थीं। उनके निर्देशक-लेखक को खोजिए कि क्या बना रहे हैं अगली बार? हो सकता है आप थंबनेल की भूल-भुलैया में भटक गए हों। असल कहानियां आपको खोज रही हैं, आप उन्हें। दर्शक ताकतवर है। उसे थंबनेल के चक्रवात से बाहर निकलना होगा। लेखक और निर्देशक की सामर्थ्य बढ़ानी होगी। इसमें समय लगेगा... बस शुरू अभी करना होगा। जो कहानियां परदे तक पहुंच रही हैं, उनसे कहीं अच्छी कहानियां धक्के खा रही हैं। ताकत थंबनेल के पास है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा ताकत दर्शक के पास है कि वो किसे क्लिक करे। निर्देशक और कहानियों को आज दर्शक की ताकत चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं अनुभव सिन्हा)

भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में मौजूद इन देशों का एक साझा औपनिवेशिक अतीत है और अकसर इनकी गिनती आर्थिक विषमता और वैश्विक स्तर पर कम प्रतिनिधित्व वाले देशों में होती है। मोदी ने इसी साझा इतिहास की ओर संकेत करते हुए वैश्विक संस्थानों में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने सिर्फ भू-राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सभ्यतागत सहानुभूति के आधार पर भी एकजुटता की बात कही। स्वयं अपने एक औपनिवेशिक इतिहास के कारण भारत यह बहुत अच्छी तरह से कर सकता है। 4. ब्रिक्स में भारत की भूमिका को अकसर सावधानी के चश्मे से देखा जाता है। चीन और रूस जहां वैश्विक व्यवस्था में पूरी तरह से उलटफेर चाहते हैं, वहीं भारत अंदरूनी सुधारों की वकालत करता है। इस समिट में मोदी सिर्फ इसलिए ही प्रभावी नहीं रहे, क्योंकि वहां पुतिन और शी जिनपिंग गैर-मौजूद थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कुशल स्टेट्समैन की भूमिका निभाई।

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज

करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।' क्या आप भौहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे। आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है। फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है? कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी। यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी। पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है। लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी। लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

टेस्ला की भारत में एंट्री कलःजिसने कंपनी बनाई उसे ही मस्क ने निकाला; 2008 में टेस्ला डूबने वाली थी, तो नींद में चिल्लाते थे इलॉन

मुंबई। साल 2008 की बात है। दुनियाभर की इकोनॉमी संकट में थी। लेहमन ब्रदर्स जैसे बड़े इन्वेस्टमेंट बैंक से लेकर जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां डूब रही थीं। इलॉन मस्क की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला शुरुआती दौर में थी। मंदी के कारण हालत इतनी खराब थी कि मस्क ने पहली कार के लिए ग्राहकों से जो बुकिंग अमाउंट लिया था उसे भी खर्च कर दिया। एम्प्लॉइज को सैलरी देने के लिए पैसे नहीं थे। अपने खर्चों को कवर करने के लिए उन्होंने निजी तौर पर रकम उधार ली थी। वे उस समय बेहद तनाव में रहने लगे थे। उनकी गर्लफ्रेंड रही तालुलाह रिले ने इस वाकये को याद करते हुए कहा था- 'वह खुद से बात करने लगे थे, अपने हाथों को फैलाकर जोर-जोर से चिल्लाते थे। कई बार नींद में भी चिल्लाते थे और हाथ पटकते थे। लगता था कि उन्हें कभी भी दिल का दौरा पड़ सकता है।' आज टेस्ला मार्केट कैप में दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी है। ये कंपनी अब भारत में भी अपना शोरूम खोलने जा रही है। 15 जुलाई को मुंबई में इसकी शुरुआत होगी। ऐसे में यहां हम डूबने की कगार पर खड़ी टेस्ला की कामयाब होने की कहानी 6 चैप्टर में बता रहे हैंटेस्ला की कहानी शुरू होती है दो इंजीनियर्स, मार्टिन एबरहार्ड और मार्क टारपेनिंग से। इन्होंने 2003 में टेस्ला मोटर्स की नींव रखी। बाद में इयान राइट और जेबी स्ट्रॉबेल भी शुरुआती टीम में शामिल हुए। एबरहार्ड और टारपेनिंग 1980 के दशक में मिले थे। वे पहले एकसाथ न्यूवोमीडिया नाम की कंपनी में काम कर चुके थे। यहां उन्होंने रॉकेट ई-बुक रीडर बनाया था। मार्टिन को स्पोर्ट्स कार बहुत पसंद थी और एक ऐसी कार चाहते थे जो तेज हो और पर्यावरण को नुकसान भी न पहुंचाए। उस वक्त मिडिल ईस्ट में युद्ध चल रहा था। ग्लोबल वॉर्मिंग की चिंता बढ़ रही थी। मार्टिन को लगा कि पेट्रोल गाड़ियां खरीदना सही नहीं। यहीं से टेस्ला का ख्याल आया। मार्टिन और मार्क ने देखा कि ई-बुक रीडर में उन्होंने जो लीथियम-आयन बैटरी इस्तेमाल की थी वो कारों के लिए भी क्रांतिकारी हो सकती है। उन्होंने एसी प्रॉपल्शन नाम की एक छोटी कंपनी के साथ मिलकर एक प्रोटोटाइप बनाया, जो बाद में टेस्ला रोडस्टर का आधार बना। हालांकि, गाड़ी बनाना आसान नहीं था। उन्हें ऑटोमोटिव इंडस्ट्री का कोई अनुभव नहीं था और सप्लायर्स को उनके साथ काम करने में रिस्क दिखता था। फिर भी, उन्होंने लोटस जैसी कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की और 1 जुलाई, 2003 को टेस्ला मोटर्स को आधिकारिक तौर पर शुरू किया।इलॉन मस्क आज टेस्ला का सबसे बड़ा चेहरा हैं, लेकिन वो इसके फाउंडर नहीं थे। 2004 में मस्क ने टेस्ला में 65 लाख डॉलर का निवेश किया और कंपनी के चेयरमैन बने। आज के हिसाब से रुपए में ये रकम करीब 56 करोड़ रुपए होती है। 10 लाख डॉलर अन्य निवेशकों ने भी लगाए थे। 2003-04 में जब टेस्ला मोटर्स की शुरुआत हुई, उस वक्त इलॉन मस्क स्पेसएक्स पर काम कर रहे थे। उसी दौरान उनकी मुलाकात जेबी स्ट्रॉबेल से हुई। स्ट्रॉबेल एक युवा इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के फैन थे। स्ट्रॉबेल ने अपने गैरेज में खुद एक पोर्श को इलेक्ट्रिक गाड़ी में बदला था। स्ट्रॉबेल ने मस्क को एसी प्रॉपल्शन नाम की एक छोटी कंपनी के बारे में बताया, जो इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाती थी। दोनों ने एसी प्रॉपल्शन की टी ज़ीरो गाड़ी का टेस्ट ड्राइव लिया, जिसमें लीथियम-आयन बैटरी थी। मस्क को ये गाड़ी इतनी पसंद आई कि वो इसे कॉमर्शियल करने के लिए एसी प्रॉपल्शन के सीईओ टॉम गेज को मनाने लगे, लेकिन गेज इसके लिए तैयार नहीं हुए। फिर गेज ने मस्क को मार्टिन से मिलवाया, जो टारपेनिंग और इयान राइट के साथ मिलकर टेस्ला मोटर्स शुरू कर चुके थे। यहीं से मस्क की एंट्री टेस्ला में हुई।टेस्ला की पहली गाड़ी थी रोडस्टर, जिसे लोटस एलिस के चेसिस पर

बनाया जाना था। कंपनी का प्लान था कि लोटस के मौजूदा पार्ट्स का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करके लागत कम रखी जाए। लेकिन मस्क को ये मंजूर नहीं था। वो चाहते थे कि रोडस्टर इतनी खूबसूरत और पावरफुल हो कि लोग इसे देखकर दंग रह जाएं। मस्क हर दो हफ्ते में लॉस एंजिल्स से सिलिकन वैली आते, डिजाइन मीटिंग्स में हिस्सा लेते और गाड़ी के मॉडल्स की जांच करते। उनकी सलाह सिर्फ सुझाव नहीं थी। वो चाहते थे कि हर बदलाव लागू हो। उन्होंने 5 बड़े बदलाव करवाए- 1. दरवाजे का डिजाइनः मस्क को रोडस्टर का दरवाजा बहुत छोटा लगा। उन्होंने दरवाजे का फ्रेम तीन इंच नीचे करवाया। इससे चेसिस का डिजाइन बदल गया और 20 लाख डॉलर की अतिरिक्त लागत आई। 2. सीट्सः मस्क को लोटस की सीट्स तंग लगीं। वो चाहते थे कि सीट्स चौड़ी हों। महिलाओं को इसमें बैठने में आसानी हो। एबरहार्ड को ये बदलाव बेकार लगा, क्योंकि इससे टेस्टिंग दोबारा करनी पड़ी। 3. हेडलाइट्सः मस्क को लोटस की हेडलाइट्स 'बग-आइड' (कीड़े जैसी) लगीं। उन्होंने कवर वाली हेडलाइट्स लगवाने का फैसला किया, जिससे 5 लाख डॉलर की लागत बढ़ी। 4. कार्बन फाइबर बॉडीः मस्क ने लोटस के फाइबरग्लास की जगह मजबूत और हल्के कार्बन फाइबर का इस्तेमाल करवाया। इससे गाड़ी की पेंटिंग महंगी हो गई, लेकिन वो ज्यादा ठोस और हल्की बनी। 5. इलेक्ट्रिक डोर हैंडल्सः एबरहार्ड साधारण डोर हैंडल्स से खुश थे, लेकिन मस्क ने इलेक्ट्रिक टच-सेंसिटिव हैंडल्स लगवाए, जो टेस्ला की 'कूल' इमेज का हिस्सा बने।इन बदलावों की वजह से रोडस्टर की लागत और प्रोडक्शन टाइमलाइन बढ़ गई। लोटस के मौजूदा सप्लायर्स का फायदा नहीं मिल सका और टेस्ला को सैकड़ों नए पार्ट्स के लिए सप्लायर्स ढूंढने पड़े। जुलाई 2006 में टेस्ला ने सांता मोनिका एयरपोर्ट पर रोडस्टर का प्रोटोटाइप लॉन्च किया। इवेंट में कैलिफोर्निया के गवर्नर और एक्टर अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, जॉर्ज क्लूनी जैसे सितारे आए। स्ट्रॉबेल ने श्वार्जनेगर को टेस्ट ड्राइव करवाई। इवेंट को खूब कवरेज मिला, लेकिन इवेंट में सारा क्रेडिट एबरहार्ड को मिला।मस्क ने टेस्ला की वेबसाइट पर एक नोट लिखा- इसमें उन्होंने कहा कि टेस्ला का मकसद हाइड्रोकार्बन अर्थव्यवस्था को सोलर इलेक्ट्रिक में बदलना है। रोडस्टर को हाई-एंड मार्केट में लॉन्च करके टेस्ला सस्ती गाड़ियों की ओर बढ़ेगी। इस प्लान ने टेस्ला की दिशा को साफ किया। रोडस्टर के प्रोटोटाइप ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों की पुरानी छवि तोड़ दी। ये गाड़ी 4 सेकंड में 0 से 60 मील प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती थी। श्वार्जनेगर और क्लूनी जैसे सितारों ने इसके लिए 1 लाख डॉलर का डिपॉजिट दिया। स्टीव जॉब्स ने भी रोडस्टर की तारीफ की। चैप्टर-4- टेस्ला पर संकट 2008 में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में थी। लेहमन ब्रदर्स जैसी बड़ी वित्तीय संस्थाएं दिवालिया होने लगीं। इस संकट ने ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को भी बुरी तरह प्रभावित किया। जनरल मोटर्स और क्रिसलर जैसे दिग्गज ऑटोमेकर्स को सरकारी बेलआउट की जरूरत पड़ी। टेस्ला उस समय एक छोटी स्टार्टअप कंपनी थी। इस माहौल में उसके लिए फंडिंग जुटाना लगभग असंभव हो गया। 2008 की पहली छमाही में उन्होंने टेस्ला को बचाने के लिए ग्राहकों के जमा किए गए डपॉजिट्स का इस्तेमाल कर लिया। कुछ टेस्ला अधिकारियों और बोर्ड मेंबर्स को लगता था कि ये पैसा एस्क्रो में रखना चाहिए था, न कि उसे खर्च करना चाहिए। हालांकि, मस्क ने कहा, 'या तो ऐसा करें, वरना हम खत्म हो जाएंगे।' सितंबर

2008 तक हालात और बिगड़ गए। मस्क रात-रातभर बड़बड़ाते, हाथ-पैर हिलाते और चीखते थे। उनकी गर्लफ्रेंड तालुलाह कहती हैं, मुझे लगता था वो हार्ट अटैक से मर जाएंगे। कभी-कभी वो बाथरूम जाते और उल्टियां करते। तालुलाह उनका सिर पकड़कर खड़ी रहती थीं। वो दिन-रात काम करते थे और हर बार किसी चमत्कार की उम्मीद में जूझते थे। 2008 के अंत तक सबको लगने लगा कि मस्क को स्पेसएक्स और टेस्ला में से एक को चुनना पड़ेगा। अगर वो सारी ताकत एक पर लगाते, तो कम से कम वो बच सकती थी। अगर दोनों को बांटते, तो दोनों डूब सकती थीं। एक दिन उनके दोस्त मार्क जुन्कोसा ने स्पेसएक्स के ऑफिस में कहा, 'भाई, इन्हीं दो में से एक को छोड़ दे। अगर स्पेसएक्स दिल के करीब है, तो टेस्ला को भूल जाओ। मस्क ने कहा- नहीं, अगर मैं टेस्ला छोड़ दूंगा, तो ये साबित हो जाएगा कि इलेक्ट्रिक गाड़ियां काम नहीं करतीं, और सस्टेनेबल एनर्जी का सपना अधूरा रह जाएगा। स्पेसएक्स भी नहीं छोड़ सकता वर्ना हम कभी मल्टी-प्लैनेट्री स्पीशीज नहीं बन पाएंगे। 2008 के आखिर में मस्क ने 2 करोड़ डॉलर के इक्विटी फंडिंग राउंड के लिए अपने एग्जिस्टिंग इन्वेस्टर्स को लिस्ट किया। इनमें से एक इन्वेस्टर वैंटेज पॉइंट कैपिटल इसके लिए तैयार नहीं था। काफी मुश्किलों के बाद वैंटेज पॉइंट भी इस प्लान के लिए मान गया और टेस्ला बच गई।आईसीई व्हीकल्स के बीच कामयाबी 2008 में टेस्ला ने पहली हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार रोडस्टर लॉन्च की। ये पोर्श जैसे आईसीई स्पोर्ट्स कार्स से टक्कर लेती थी। इससे लोगों का ध्यान ईवीएस की ओर गया। फोर्ड, जीएम जैसी कंपनियों ने ईवीस को गंभीरता से नहीं लिया। जब टेस्ला रोडस्टर और मॉडल एस लाई, तब तक ये कंपनियां हाइब्रिड्स पर फोकस कर रही थीं। टेस्ला ने लीथियम-आयन बैटरी को बेहतर बनाया। टेस्ला ने सेल्फ-ड्राइविंग टेक्नोलॉजी (ऑटोपायलट) शुरू की, जो आईसीई व्हीकल्स में नहीं थी। ये फीचर ग्राहकों को आकर्षित करने का बड़ा कारण बना। इसके अलावा टेस्ला ने चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया। मस्क की सोशल मीडिया पर मौजूदगी और विवादास्पद बयानों ने फ्री पब्लिसिटी दिलाई। रोडस्टर के लॉन्च के बाद हॉलीवुड सेलिब्रिटीज अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, जॉर्ज क्लूनी ने इसे खरीदा। इससे ब्रांड को बूस्ट मिला।टेस्ला की सबसे बड़ी कमाई इलेक्ट्रिक गाड़ियों (मॉडल 3, मॉडल वाई , मॉडल एस, मॉडल एक्स, साइबरट्रक, टेस्ला सेमी) की बिक्री से होती है। 2024 में टेस्ला ने 17.8 लाख गाड़ियां डिलीवर कीं और ऑटोमोटिव सेल्स से 81.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 6.90 लाख करोड़ रुपए की कमाई हुई। टेस्ला को जीरो-एमिशन व्हीकल्स बनाने के लिए रेगुलेटरी क्रेडिट्स भी मिलते हैं, जिन्हें यह उन ऑटोमेकर्स को बेचती है जो उत्सर्जन नियमों को पूरा नहीं कर पाते। 2024 में टेस्ला ने इन क्रेडिट्स से 2.76 बिलियन डॉलर (करीब 0.24 लाख करोड़ रुपए) कमाए, जो 2023 की तुलना में 54फीसदी ज्यादा हैं। 2014 से अब तक टेस्ला ने इनसे 11.4 बिलियन डॉलर (0.98 लाख करोड़ रुपए) कमाए हैं। चैप्टर-6- असली फाउंडर कौन टेस्ला की स्थापना 1 जुलाई, 2003 को हुई थी। इसके शुरुआती फाउंडर्स मार्टिन एबरहार्ड और मार्क टारपेनिंग थे। बाद में इयान राइट और जेबी स्ट्रॉबेल भी शुरुआती टीम में शामिल हुए। इलॉन मस्क 2004 में कंपनी में निवेशक और बोर्ड चेयरमैन के रूप में आए। विवाद इस बात पर है कि टेस्ला का 'फाउंडर' कौन है। 1. इयान राइटः 2005 की शुरुआत में राइट अलग हो गए थे। वो इंजीनियरिंग में योगदान दे रहे थे, लेकिन उनके और एबरहार्ड के बीच मतभेद बढ़ गए। दोनों ने मस्क से एक-दूसरे को निकालने की मांग की। मस्क ने स्ट्रॉबेल से सलाह ली। उन्होंने कहा एबरहार्ड को रखना शायद बेहतर है। इसके बाद मस्क ने राइट को निकालने का फैसला किया। राइट ने बाद में अपनी कंपनी राइटस्पीड टेक्नोलॉजी शुरू की। 2. मार्टिन एबरहार्डः मस्क की सलाह को एबरहार्ड अक्सर नजरअंदाज करते थे, जिससे तनाव बढ़ा। 2007 में टेस्ला पैसों की तंगी से जूझ रही थी। मस्क ने कंपनी में और पैसा लगाया, लेकिन वो एबरहार्ड की लीडरशिप से नाखुश थे। 2007 में बोर्ड ने एबरहार्ड को सीईओ पद से हटाने का फैसला किया। मस्क ने इसका समर्थन किया। पहले माइकल मार्क्स और फिर जीव ड्रोरी अंतरिम सीईओ बने। 2008 में मस्क ने खुद सीईओ की जिम्मेदारी संभाली। एबरहार्ड को धीरे-धीरे कंपनी से पूरी तरह अलग कर दिया गया। एबरहार्ड ने 2009 में मुकदमा दायर किया। उनका दावा था कि उन्हें गलत तरीके से निकाला गया और मस्क टेस्ला की कहानी को तोड़-मरोड़कर खुद को फाउंडर के रूप में पेश कर रहे हैं। फिर दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया। इस समझौते में तय हुआ कि पांच लोग- एबरहार्ड, टारपेनिंग, राइट, मस्क, और स्ट्रॉबेल खुद को टेस्ला के को-फाउंडर कह सकते हैं।3. मार्क टारपेनिंगः एबरहार्ड के साथ मिलकर टारपेनिंग ने टेस्ला शुरू की थी, लेकिन वो प्रबंधन में ज्यादा सक्रिय नहीं थे। जब एबरहार्ड को निकाला गया और कंपनी में उथल-पुथल मची, तो टारपेनिंग ने भी कंपनी छोड़ने का फैसला किया। वो मस्क के साथ खुलेतौर पर नहीं भिड़े। 4. जेबी स्ट्रॉबेलः टेस्ला के सीटीओ थे और 2019 तक कंपनी में रहे। वो शुरुआती फाउंडर्स में से एकमात्र थे जो लंबे समय तक टेस्ला में रहे। स्ट्रॉबेल ने 2019 में खुद टेस्ला छोड़ी। इसके बाद अपनी कंपनी रेडवुड मटेरियल्स शुरू की, जो बैटरी रीसाइक्लिंग पर काम करती है। उनके टेस्ला और मस्क के साथ संबंध अच्छे रहे।

उज्बेकिस्तानी की लड़कियों को कैसे रशियन बना के लखनऊ जैसे शहरो में भुना रहे दलाल,रशियन दिखाने के लिए जबरन सर्जरी

नयी दिल्ली। मैं प्रेग्नेंट थी, तब भी मुझे कस्टमर के पास लुधियाना भेज दिया गया। वहां मुझे काफी ब्लीडिंग होने लगी तो जबरदस्ती अबॉर्शन करा दिया। डॉक्टर भी दलालों से मिले हुए थे।' ये उज्बेकिस्तान से नौकरी के लालच में भारत आई और सेक्स वर्क में धकेल दी गई लकड़ी की आपबीती है। 21 जून को यूपी की राजधानी लखनऊ में एक सेक्स रैकेट पकड़ा गया। इसमें दो विदेशी लड़कियां भी थीं, जो उज्बेकिस्तान की रहने वाली हैं। इन्हें लाने वाली गैंग लीडर लोला कायूमोवा है, जो अब भी फरार है। 49 साल की लोला भी उज्बेकिस्तान की रहने वाली है। उसने प्लास्टिक सर्जरी के जरिए अपना लुक बदला है। अब वो रशियन जैसी दिखती है। पुलिस को उसका पासपोर्ट और आधार कार्ड मिला है। बताया जा रहा है कि लोला के नेटवर्क में 50 से ज्यादा उज्बेक लड़कियां हैं। ऐसे में सवाल ये है कि लोला या उसके जैसी उज्बेक लड़कियां इस सेक्स रैकेट तक कैसे पहुंच रही हैं। ये पेशा उनकी चॉइस है या मजबूरी। वे प्लास्टिक सर्जरी से अपना लुक क्यों बदल रही हैं। उन्हें आधार कार्ड की जरूरत क्यों पड़ रही है। 1. लखनऊ या दिल्ली ही नहीं, देश के कई बड़े शहरों में उज्बेकिस्तान की लड़कियों को सेक्स रैकेट में धकेला जा रहा है। इनमें ज्यादातर लड़कियों को दुबई या दिल्ली में नौकरी दिलाने के बहाने बुलाया जाता है। फिर अलग-अलग दलालों के हाथों 5 से 7 दिन या दो हफ्ते के लिए बार-बार बेचा जाता है और सेक्स वर्क कराया जाता है। 2. सेक्स रैकेट में आने वाली लड़कियों पर उज्बेकिस्तान से ज्यादा रशियन या यूरोपियन लुक में दिखने का दबाव डाला जाता है, ताकि कस्टमर से ज्यादा पैसे मिल सकें। इनकी सर्जरी भी कराई जाती है। रशियन या यूरोपियन दिखने पर 3 से 4 गुना ज्यादा पैसे मिलते हैं। पड़ताल में दिल्ली में रहने वाली कुछ उज्बेक लड़कियों के पास आधार कार्ड भी मिला। 3. दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई और गोवा समेत थाईलैंड तक यहीं से एक नेटवर्क इन लड़कियों की सप्लाई करता है। इसमें 15 साल पहले उज्बेकिस्तान से आई महिला लोला कायूमोवा का बड़ा रोल है। वो अब इस नेटवर्क की सबसे पावरफुल तस्कर है। खुफिया एजेंसियां उसकी तलाश कर रही हैं। उसके नेटवर्क में 50 से ज्यादा उज्बेक लड़कियां हैं। पहले हुए कुछ की हिस्ट्री केस- 3 साल पहले 26 साल की एक उज्बेक लड़की ने अपने भारत आने और सेक्स रैकेट में फंसने की पूरी कहानी कोर्ट में सुनाई थी। उसने बयान में कहा था, 'मैं उज्बेकिस्तान में सब्जी बेचती थी। मई 2021 में एक दोस्त का फोन आया। कहा कि भारत में अच्छी नौकरी मिल जाएगी। उसकी एक बहन भी भारत में ही है, उससे मिल लेना। वो अस्पताल में मैनेजर है।' 'दिल्ली जाने के लिए मुझे ताशकंद भेजा। बताया कि वहां से टिकट और बाकी सब मिल जाएगा। मैं 3 अगस्त 2021 को ताशकंद से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची। यहां से मुझे कुछ लोग एक फ्लैट पर ले गए। पहली रात आराम किया। अगले दिन मुझे लाजपत मार्केट ले जाया गया। वहां से मेरे लिए कुछ मॉडर्न ड्रेसेज खरीदी गईं। मुझे थोड़ा शक हुआ तो लौटकर ड्रेस के बारे में पूछा। जवाब मिला कि अब मुझे जिस्मफरोशी का काम करना होगा।' 'मैंने मना किया तो बताया कि मेरी दोस्त ने मुझे 1 हजार अमेरिकी डॉलर में बेच दिया है। फिर दिल्ली तक लाने के लिए 6 लाख रुपए और खर्च किए गए हैं। इसलिए अगर मुझे अपने घर लौटना है तो पहले पूरी रकम लौटानी होगी। उन्होंने मेरा पासपोर्ट और दूसरे डॉक्युमेंट्स पहले ही दिन छीन लिए थे।' 'मेरे पास न पैसे थे और न पासपोर्ट। मेरे सिर पर गन रखकर मौत या जिस्मफरोशी चुनने का रास्ता था। मजबूर होकर मैंने ये रास्ता चुना। इसके बाद मुझे जयपुर ले गए। यहां 6-7 दिनों तक अलग-अलग होटल में भेजा। वहां कस्टमर से ब्रोकर सीधे पैसे ले लेते थे। मुझे सिर्फ खाने-पीने के पैसे दिए जाते।' 'फिर मुझे वापस दिल्ली ले आए। वहां मैं जिस महिला को बेची गई, वो मुझे उस दोस्त के पास ले गई, जिसने मेरा सौदा किया था। महिला ने कहा- मैं अच्छे से काम नहीं कर रही, मुझे बेचकर लिए गए 7500 अमेरिकी डॉलर लौटा दे। वो नहीं मानी। उसने मुझे फिर धमकाया कि अगर कस्टमर को खुश नहीं किया तो नदी में फेंककर मार देंगे। फिर दिल्ली के एक फ्लैट में 6 महीने सेक्स स्लेव की तरह रही।' केस नंबर-2- एक साल में दो बार प्रेग्नेंट हुई, जबरन अबॉर्शन कराया और काम में झोंक दिया उज्बेकिस्तान से भारत आकर सेक्स रैकेट में फंसी एक और लड़की ने कोर्ट को ऐसी ही आपबीती बताई थी। 13 सितंबर 2022 को कोर्ट में इस लड़की ने बयान दर्ज कराया था। उसने बताया, 'फरवरी 2019 में एक दोस्त का कॉल आया। कहा कि भारत में हॉस्पिटल की एक जॉब है। हॉस्पिटल की मैनेजर अजीजा उसकी बॉस होगी। सैलरी के तौर पर हर महीने 2 लाख रुपए मिलेंगे। इतनी बड़ी रकम सुनकर भारत आने के लिए तैयार हो गई। मैं उस वक्त मॉस्को में थी। मुझे वीजा भी मिल गया।' '24 मार्च 2019 को यूक्रेन के रास्ते दिल्ली आई। दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर मुझे मालवीय नगर लाया गया। यहां एक अस्पताल के पास में ही मुझे रखा गया। फिर लेमिनेशन के बहाने मेरा पासपोर्ट मांगा और कभी नहीं लौटाया।' 'मुझे उसी रात बता दिया गया था कि अब भारत में मुझे सेक्स वर्क करना है। मैंने विरोध और हाथापाई की तो पीटा गया। मेरे पैरों पर स्क्रू ड्राइवर से मारा और धमकाया कि अगर ये काम नहीं किया तो जान से मार देंगे। मैं डरकर तैयार हो गई।' 'मुझे कुछ ड्रेसेज दीं और तैयार होने को कहा गया। फिर मेरी फोटो खींचकर अलग-अलग ब्रोकर को भेज दी गई। दिल्ली में एक महीने तक मेरे पास रोजाना 5-6 लोग भेजे जाते थे। फिर मुझे लखनऊ भेज दिया गया। वहां 10 दिनों तक रही। उसके बाद दिल्ली लौटी तो पता चला कि मैं प्रेग्नेंट हूं।' 'प्रेग्नेंट हुई तो मैंने काम करने से मना कर दिया। कहा कि मुझे घर लौटना है। तब मेरी बॉस अजीजा ने कहा कि पहले 6 लाख रुपए लौटाओ तब वापस जाना। तब पता चला कि मुझे डेढ़ लाख रुपए में बेचा गया है और मैं वापस नहीं जा सकती।' 'इसी हालत में मुझे कस्टमर के पास लुधियाना भेज दिया। वहां मुझे काफी ब्लीडिंग हो रही थी, तो 10 दिनों तक अस्पताल में रखा। फिर दवा देकर जबरदस्ती अबॉर्शन कराया। इसके बाद सिर्फ 5 दिन आराम किया और वापस दिल्ली ले आए। हालांकि, तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर दिल्ली में दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया।' 'मैंने इलाज करने वाले डॉक्टर से भी मदद मांगी, लेकिन वो भी ब्रोकर से मिले हुए थे। उन्होंने मेरी कोई मदद नहीं की। तबीयत ठीक होते ही मुझे जयपुर भेजकर काम कराने लगे। वहां दूसरे ब्रोकर पैसे वसूलते थे। उनके साथ एक पुलिसकर्मी भी मिला हुआ था। मैंने उससे हेल्प मांगी तो उसने भी मेरी खूब पिटाई की। '2021 में मैं दोबारा प्रेग्नेंट हो गई। इस बार जब मैंने घर लौटने के लिए पासपोर्ट मांगा। तो मुझसे 4.32 लाख रुपए मांगे गए। इतने पैसे न दे पाने पर दवा देकर मेरा फिर अबॉर्शन करा दिया।'केस नंबर- 3 दुबई में जॉब बताकर नेपाल के रास्ते दिल्ली लाए, जिस्मफरोशी में धकेला दिल्ली में सेक्स वर्क में धकेली गई एक उज्बेक लड़की को नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत लाया गया था। काम से मना करने पर नदी में मगरमच्छ के सामने फेंकने की धमकी दी गई। लड़की ने कोर्ट में दिए बयान में बताया, 'अक्टूबर 2021 की बात है। मेरी आंटी की बेटी तुर्किये से उज्बेकिस्तान लौटी थी। तब उसने बताया कि दुबई के एक होटल में जॉब का ऑफर है। हर महीने 2500 डॉलर मिलेंगे।' 'उसने मराल नाम की एक महिला के बारे में बताया। कहा कि वो वीजा और टिकट दिला देगी। दुबई में रहने का इंतजाम भी कर देगी। मेरे पापा की तबीयत खराब थी। इसलिए मुझे जल्द से जल्द नौकरी की जरूरत थी। मैं तैयार हो गई और टिकट भी आ गया। मैं दुबई सोचकर फ्लाइट में बैठी, लेकिन वो नेपाल पहुंच गई।' 'वहां काठमांडू में मेरी मुलाकात राज नाम के युवक से हुई। उसने मेरा पासपोर्ट और बाकी सब डॉक्यूमेंट ले लिए। 6 दिन हम काठमांडू में ही रहे। इसके बाद एक शिप में बैठाकर कहीं ले गए। वहां से टैक्सी के जरिए 24-25 घंटे के सफर के बाद हम दिल्ली पहुंचे। यहां मुझे गुरुग्राम के एक फ्लैट में रखा गया।' 'मेकअप का कुछ सामान और कुछ मॉडर्न ड्रेसेज दी गईं। फिर तैयार कराकर एक होटल में ले गए। वहां जाकर पता चला कि पास वाले कमरों में उज्बेकिस्तान की 4-5 और लड़कियां हैं, लेकिन किसी से मुलाकात नहीं हो पाई।' होटल में मुझे पहली बार बताया गया कि यहां जिस्मफरोशी का काम करना है। मैंने मना कर दिया। तब धमकाया गया कि गंगा नदी में फेंक देंगे, जहां बड़े-बड़े मगरमच्छ हैं। डेडबॉडी का भी पता नहीं चलेगा। उनके पास मेरा पासपोर्ट था। मैं कुछ नहीं कर सकती थी। मजबूरी में ये भी करने को तैयार हो गई।' 'बाद में पता चला कि ब्रोकर ने मुझे कुछ महीने के लिए 500 डॉलर में खरीदा है। अब वो मुझसे जो चाहे करा सकता है। फिर मुझे दिल्ली से लखनऊ और जयपुर समेत कई शहरों में जिस्मफरोशी के लिए भेजा गया। मुझे ड्रग्स भी दिया जाता था। अगर कभी नाराजगी जताई तो जान से मारने की धमकी मिलती।' एक दिन में 5-7 कस्टमर को सर्विस देते, रजिस्टर में एक-एक का हिसाब हमें दिल्ली पुलिस की चार्जशीट से ये भी पता चला है कि इन लड़कियों पर पैसे कमाने के लिए कितना दबाव डाला जाता है। हमें मेन दलालों का वो रजिस्टर मिला, जिसमें उज्बेक लड़कियों का हिसाब-किताब रखा जाता था। रजिस्टर में 6 लड़कियों की डिटेल मिली। इसमें उनके नाम और अलग-अलग तारीख लिखी है कि कब-कितने कस्टमर के पास गईं। इन लड़कियों को दोपहर के 3 बजे के बाद से अगली सुबह 5-6 बजे तक कस्टमर को सर्विस देने के लिए तैयार रखा जाता। अगर किसी लड़की को कोई मेडिकल प्रॉब्लम होती, तभी उसे लीव मिलती। इस दौरान उसके नाम के आगे P यानी हॉलिडे लिख देते थे। रजिस्टर से एक दिन में 5-7 कस्टमर को सर्विस देने की डिटेल मिली है।हमारे सोर्स ने बताया कि अब कस्टमर के लिए ये जानना मुश्किल नहीं कि ये लड़की उज्बेकिस्तान से आई है या यूरोप-रशिया से। कस्टमर भी समझने लगे हैं कि उज्बेकिस्तान में गरीबी से जूझ रही मजबूर लड़कियां सेक्स रैकेट में आ रही हैं। इसलिए उन्हें ज्यादा से ज्यादा 5 से 6 हजार रुपए ही दे रहे हैं। जबकि उतनी ही देर के लिए रशियन कॉल गर्ल पर 15 से 20 हजार रुपए खर्च कर देते हैं। दूसरी तरफ उज्बेकिस्तान से आई लड़कियों का काफी शोषण किया जाता है। उन्हें न तो अच्छी अंग्रेजी आती है और न ही हिंदी। ऐसे में वो किसी कस्टमर से भी अपनी शिकायत नहीं कर पाती हैं। हर दलाल इन्हें 10 से 15 दिन के लिए 2-3 लाख या उससे भी ज्यादा पैसे देकर

खरीद लेता है। ऐसे में उज्बेकिस्तान से तस्करी के जरिए इन्हें इंडिया लाने वाले मुख्य दलाल को भी फायदा होता है। वहीं, इन्हें हफ्ते,10 या 15 दिन तक किराए पर लेने वाले दलाल ज्यादा से ज्यादा काम कराते हैं। कस्टमर से ये सीधे पैसों की डील करते हैं। मान लीजिए अगर किसी कस्टमर से सर्विस के बदले 5-6 हजार रुपए मिले तो दलाल उनमें से लड़की को महज 1 हजार या 1500 रुपए ही देते हैं। या इससे भी कम। सोर्स के मुताबिक, ये निर्भर करता है कि एक दिन में वो कितने कस्टमर के पास गई। अगर लड़की उज्बेकिस्तान लौटना चाहती है तो उस पर 4-5 लाख रुपए लौटाने का दबाव बनाया जाता है। इसलिए उज्बेक लड़कियां यूरोपियन या रशियन दिखने के लिए सर्जरी करा रही हैं। जिससे उन्हें काम के ज्यादा पैसे मिलें।हमें सोर्स ने बताया कि 15 साल पहले उज्बेकिस्तान से आई एक युवती अब दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई समेत कई बड़े शहरों में खास नेटवर्क चला रही है। उसके नेटवर्क में जुड़े दलाल सीधे नामचीन लोगों के कॉन्टैक्ट में हैं। इनमें खिलाड़ी, नेता और फिल्मों से जुड़े लोग भी हैं। इस मुख्य नेटवर्क की तलाश में पुलिस भी खुफिया तरीके से जांच कर रही है। इस महिला सरगना ने अपने साथी दलाल से शादी कर भारत का आधार कार्ड बनवा रखा है। ये अब भी उज्बेकिस्तान से तस्करी कर लड़कियों को भारत ला रही है। सोर्स का दावा है कि लखनऊ में पकड़ी गईं लड़कियां और लोला का नेटवर्क भी इसी से जुड़ा हो सकता है। आखिर क्यों उज्बेक लड़कियां बनवा रहीं आधार कार्ड-उज्बेकिस्तान की लड़कियों के पास आधार कार्ड कैसे आ रहे। आखिर इसे बनवाने की क्या मजबूरी है। सोर्स से समझा। वे बताते हैं, 'जो लड़कियां बिना वीजा के नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत आती हैं, उनके पास कोई आईडी नहीं होती। उन्हें किसी भी बड़े होटल में जिस्मफरोशी के लिए जाते वक्त अपनी आईडी देनी होती है। अगर वीजा पर आती हैं, तो उसका विदेशी फॉर्म भर देती हैं।' 'अगर अवैध तरीके से आती हैं और पासपोर्ट भी दलाल छीन लेते हैं। तब मजबूरी में आधार कार्ड बनवाना पड़ता है। इसके लिए पहले वो किसी दलाल से शादी का डॉक्यूमेंट बनवाती हैं। फिर उसी के जरिए आधार कार्ड बनवा लेती हैं। जब हमने इनसे मिला आधार कार्ड ऑफिशियल वेबसाइट पर वेरिफाई किया, तो वो सही मिला।

एक थें कुन्दनलाल सहगल

कुन्दनलाल सहगल-कभी बेचीं साड़ियां,फिर फिल्म 'देवदास' से बने स्टार,बिना शराब पिए नहीं गाते थे गाना और सिर्फ 42 साल की उम्र में हुआ निधन

मुंबई। कुन्दनलाल सहगल भारतीय सिनेमा के शुरुआती स्टार्स में गिने जाते हैं। कुन्दन को 1935 में आई फिल्म 'देवदास' के लीड रोल से फेम मिला था। एक्टर के साथ वो सिंगर भी थे। हालांकि, उनका निजी जीवन शराब पर निर्भर हो गया था। इससे उनकी तबीयत बिगड़ गई, और उनका लिवर इतना खराब हो गया कि वो कभी ठीक नहीं हो सका। जनवरी 1947 में उनकी मौत हो गई। उस समय उनकी उम्र 42 साल थी। यह भी बताया जाता है कि उनके पास ज्यादा पैसे नहीं थे।

वे अपने होमटाउन जालंधर लौट आए थे और वहां अपनी सिंगिंग और एक्टिंग करियर को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहे थे। बता दें कि कुन्दन ने देशभर में कई छोटे-मोटे काम किए। वे साड़ियों और टाइपराइटर बेचते थे। शिमला के एक होटल में भी उन्होंने काम किया, लेकिन उनका गाने का शौक उन्हें कोलकाता ले गया क्योंकि उस समय कोलकाता फिल्म और मनोरंजन का बड़ा केंद्र था।कोलकाता में उन्हें न्यू थिएटर्स नाम की प्रोडक्शन कंपनी ने 200 रुपए महीने पर साइन किया था। उनकी शुरुआती कुछ फिल्में नहीं चलीं, लेकिन 1934 उनके करियर के लिए अहम साल बना। फिल्म 'चंडीदास' का गाना 'प्रेम नगर' हिट हो गया। इसके अगले ही साल उन्होंने 'देवदास' में काम किया, जिससे उनका करियर और ऊंचाई पर पहुंचा।द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार कुन्दन ने एक बार किदार शर्मा से कहा था -'मैं तो एक साधारण आदमी हूं। मुझे एक्टिंग का कोई अनुभव नहीं। मैं पहले सेल्समैन था। गाना मेरा शौक है।' किदार शर्मा ने अपनी आत्मकथा में लिखा था- 'सहगल के दो शौक थे- संगीत और शराब। एक ने उन्हें बनाया और दूसरे ने उन्हें बर्बाद किया।' किदार शर्मा ने अपनी किताब में ये भी लिखा था कि संगीतकार नौशाद ने सहगल से कहा था कि एक गाना नशे में और एक होश में गाओ। बाद में नौशाद ने होश में गाया हुआ गाना चुना। बिना शराब पिए गाने की रिकॉर्डिंग नहीं करते थे-1941 में रंजीत मूवीटोन के साथ काम करने के लिए सहगल मुंबई आ गए थे। रंजीत मूवीटोन के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट उन्होंने साइन किया था जिसके मुताबिक हर एक फिल्म का उन्हें एक लाख रुपए मिलना था। उस समय के हिसाब से ये एक बहुत बड़ी रकम हुआ करती थी। यहां पर उन्होंने कई हिट फिल्मों के गाने गाए, लेकिन शराबी बन गए। ऐसा कहा जाता था कि वो शराब के नशे में ही गाना रिकॉर्ड करते थे।वहीं, कुन्दन के व्यक्तित्व की संवेदनशीलता का एक किस्सा किदार शर्मा ने अपनी किताब में लिखा था। उस समय सहगल साड़ियां और टाइपराइटर बेचते थे। वे एक गरीब लड़की के घर से गुजरते थे जिसे उनकी पेटी में रखी हरी साड़ी पसंद थी, लेकिन वह उसे खरीद नहीं सकती थी। एक दिन लड़की ने कहा -'कल मेरे पास दस रुपए होंगे, आप आना।' अगले दिन सहगल वहां गए तो पता चला लड़की मर चुकी थी। उन्होंने वह हरी साड़ी उसके भाई को दे दी ताकि वह उसके अंतिम संस्कार में इस्तेमाल हो सके। इस घटना से वे इतने दुखी हुए कि साड़ियां बेचना छोड़ दिया।एक बार एक पार्टी में कुन्दन ने किदार शर्मा से कहा था - 'चलो बाहर चलते हैं, ताजी हवा खा लें।'शर्मा ने देखा कि सहगल दूर से किसी की आवाज सुनना चाहते थे। वहां एक नेत्रहीन भिखारी गाना गा रहा था। सहगल उसकी गायकी से इतने प्रभावित हुए कि जेब में जो भी था उसे दे दिया।बाद में उन्होंने शर्मा से कहा था- 'मैंने उसे पांच हजार रुपए दे दिए।' जब शर्मा ने हैरानी जताई तो सहगल ने कहा -'तुम सोचते हो देने वाला कभी गिनकर देता है?'

पाकिस्तान में स्टेज पर दिखाई जा रही रामायण,कराची के शो में एआई का भी इस्तेमाल,बोले- लोग इसे पसंद कर रहे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची शहर में हिंदू महाकाव्य रामायण का मंचन किया जा रहा है, जिसे दर्शकों से अच्छी सराहना मिल रही है। डॉन की रिपोर्ट के

अनुसार, 'मौज' नामक एक थिएटर ग्रुप इस नाटक का मंचन 11 से 13 जुलाई तक कर रहा है। रामायण की यह प्रस्तुति अच्छाई और बुराई की एक ऐतिहासिक कहानी को आधुनिक अंदाज में दिखाती है। इस नाटक में एआई तकनीक का इस्तेमाल करके हर दृश्य को बेहद खूबसूरती से जीवंत किया गया है। जैसे- पेड़ों का झूमना, महलों का वैभव, या जंगल की शांति। शो के डायरेक्टर योहेश्वर करेरा ने कहा कि कराची में लोग इसे पसंद कर रहे हैं।इससे पहले यह नाटक नवंबर 2024 में कराची के द सेकंड फ्लोर में भी दिखाया जा चुका है, जहां इसे काफी सराहना मिली थी। अब यह नाटक कराची की आर्ट्स काउंसिल में और भी ज्यादा भव्य रूप में दोबारा प्रस्तुत किया गया है। नाटक में राणा काजमी ने सीता का किरदार निभाया है, राम की भूमिका अश्मल लालवानी ने निभाई है और रावण के रूप में सम्हान गाजी नजर आ रहे हैं। अन्य प्रमुख किरदारों में आमिर अली (राजा दशरथ), वकास अख्तर (लक्ष्मण), जिबरान खान (हनुमान), सना तोहा (रानी कैकेयी), और अली शेर (अभिमंत्री) शामिल हैं। डायरेक्टर बोले- किसी धमकी का डर नहीं था नाटक का निर्देशन योहेश्वर करेरा ने किया। उन्होंने कहा कि उन्हें कभी यह डर नहीं लगा कि रामायण जैसे हिंदू धार्मिक ग्रंथ पर आधारित नाटक करने पर लोग उन्हें बुरा कहेंगे या किसी तरह की धमकी देंगे। करेरा ने कहा कि उन्हें भरोसा था कि यह प्रस्तुति पाकिस्तान में सराही जाएगी। उन्होंने कहा- 'रामायण की कहानी मेरे लिए प्रेरणादायक रही है, और मैं इसे भव्यता और सौंदर्य के साथ दर्शकों के सामने लाना चाहता था। मुझे विश्वास था कि पाकिस्तान का समाज सहिष्णु है और इस नाटक को खुले दिल से स्वीकार करेगा।' प्रसिद्ध कला समीक्षक ओमैर अलवी ने भी इस नाटक की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इसमें कहानी को सच्चाई और ईमानदारी से पेश किया गया है। रंगीन कपड़े, शानदार लाइट्स, लाइव संगीत और मंच की सजावट ने इसे और खास बना दिया। सीता का किरदार निभाने वाली राना काजमी, जो इस नाटक की निर्माता भी हैं, ने कहा कि उन्हें यह सोचकर खुशी हुई कि वे दर्शकों को एक पुरानी धार्मिक कहानी को इस तरह जीवंत रूप में दिखा पाईं। काजमी ने कहा कि थिएटर मौज में सभी लोग इस कहानी की भव्यता को समझते हैं, इसलिए जैसे ही इस नाटक का विचार रखा गया, सब तैयार हो गए। रामायण की कहानी को दुनिया भर के लोग जानते हैं और पसंद करते हैं, और अब कराची में इसका मंचन लोगों के दिलों को छू रहा है।

अंकल अनु मलिक ने छीना पिता का काम- अमाल मलिक

कहा- डैड को मिलने वाली फिल्में प्रोड्यूसर से कम पैसे लेकर कर लेते थे,मर्डर से किया रिप्लेस

मुंबई। सिंगर अमाल मलिक ने हाल ही में अपने अंकल और म्यूजिक कंपोजर अनु मलिक से मतभेदों पर बात की है। उन्होंने बताया है कि अनु मलिक उनके पिता डब्बू मलिक से काम छीन लेते थे। उनके पिता को जो भी फिल्में मिलती थीं, अनु मलिक प्रोड्यूसर से कम फीस लेने के नाम पर वो फिल्में अपने नाम करवा लिया करते थे। सिंगर ने ये भी बताया है कि इन सबके चलते उनके पिता 35 साल की उम्र में डिप्रेशन में चले गए थे। वो हमेशा से इस बात पर बदला लेना चाहते

थे।हाल ही में सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में अमाल मलिक ने कहा है कि अनु मलिक हमेशा से खुद को बेस्ट समझते थे। वो दुनिया के सामने साबित करना चाहते थे कि वो मलिक फैमिली के बेस्ट कंपोजर हैं। अमाल ने आगे कहा, 'वो प्रोफेशनली एक फाइटर थे। वो फिल्मों के लिए झगड़ते थे। जब भी मेरे पिता के साथ कोई फिल्म अनाउंस होती थी तो वो प्रोड्यूसर के पास जाकर कहते थे कि मैं कर लेता हूं कम प्राइस में या फ्री में। ऐसा बहुत किया उन्होंने। उस ऐरा के म्यूजिक डायरेक्टर सिर्फ वही नहीं बहुत लोग ऐसा करते थे। आज भी करते हैं बहुत लोग।'आगे अमाल ने कहा, 'अगर अनु मलिक (अंकल), डब्बू मलिक (पिता) को दबाना नहीं तो अमाल मलिक आकर इंडस्ट्री में चीढ़-फाड़ कर नाम नहीं बना पाता।' बातचीत में अमाल मलिक ने ये भी बताया है कि फिल्म मर्डर पहले उनके पिता डब्बू मलिक को मिली थी, जो बाद में अनु मलिक के पास चली गई। इसके अलावा अनु मलिक ने उन्हें टी-सीरीज की भी कई फिल्मों से रिप्लेस कर दिया था।

शर्मिला टैगोर ने बताया राजेश खन्ना ने कैसे मारी अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी! बोलीं- लोग उनका मजाक उड़ाते थे

मुंबई। शर्मिला टैगोर ने राजेश खन्ना की जीवनी में बताया कि कैसे वे अपनी सफलता को संभाल नहीं पाए। कलाकार अपनी प्रसिद्धि को क्यों बरकरार नहीं रख पाए। उन्होंने किताब में लिखा, 'अपनी दोस्ती की तरह, काका ने अपने शिफ्ट के लिए दोपहर 12 बजे से पहले कभी नहीं आते थे और हम कभी भी समय पर काम खत्म नहीं कर पाते थे।

उन्होंने कहा कि राजेश खन्ना ने बदलते दर्शकों को नहीं समझा और खुद को नया रूप देने में विफल रहे, जिसके कारण लोग उनका मज़ाक उड़ाने लगे। दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना को भारत के पहले सुपरस्टार्स में से एक माना जाता था। उनके व्यक्तित्व, खूबसूरती और करियर के शुरुआती दिनों में फिल्मों के चुनाव ने उन्हें रातों रात प्रसिद्धि दिला दी। राजेश खन्ना के फैंस की फैन फॉलोइंग भी अच्छी-खासी थी, खासकर महिलाओं के बीच। उनका हेयरस्टाइल एक ट्रेंड बन गया और 'काका' लगभग सनसनी बनकर छा गए। दुर्भाग्य से, राजेश खन्ना का पतन उनकी सफलता जितनी ही तेजी से हुआ। कई फिल्मों में उनकी सह-कलाकार रहीं शर्मिला टैगोर ने बताया कि दिवंगत सुपरस्टार अपनी सफलता को क्यों नहीं समझ पाए।शर्मिला टैगोर ने राजेश खन्ना की जीवनी 'डार्क्ड स्टारः द लोनलीनेस ऑफ बीइंग राजेश खन्ना' की प्रस्तावना लिखी है। यह जीवनी गौतम चिंतामणि की लिखित और रूपा द्वारा प्रकाशित है। प्रस्तावना में, उन्होंने बताया कि उनके सह-स्टारडम को भी नहीं बख्शा और उसे अपनी मुट्ठी से फिसलने दिया। उन्होंने यह नहीं देखा कि दर्शक बदल रहे थे और उनके रोल्स पुराने होते जा रहे थे। काका या तो खुद को बनाए रखने के लिए खुद को नया रूप नहीं दे पाए या उन्होंने खुद को नया रूप ही नहीं दिया, इतना कि लोग उनका मजाक उड़ाने लगे।'शर्मिला टैगोर ने यह भी देखा कि राजेश खन्ना अपने कुछ दोस्तों के साथ बहुत ज्यादा उदार थे। वह उन्हें महंगे तोहफों से लाद देते थे, यहां तक कि उन्हें फ्लैट भी दे देते थे। 'आराधना' की इस अदाकारा ने आगे लिखा, 'लेकिन बदले में वह बहुत ज्यादा उम्मीदें रखते थे, जिससे रिश्तों में तनाव आ गया।'इस अनुभवी अदाकारा ने पूरी ईमानदारी से लिखा कि उन्हें सबके चहेते काका की कौन सी बात नापसंद थी। उन्होंने लिखा, 'लेकिन मुझे व्यक्तिगत रूप से उनकी काम पर देर से आने की आदत से बहुत परेशानी होती थी। मैं सुबह 8 बजे स्टूडियो जाती थी और रात 8 बजे तक अपने परिवार के पास वापस पहुंच जाना चाहती थी। लेकिन यह नामुमकिन था क्योंकि काका सुबह 9 बजे की नतीजतन, पूरी यूनिट मुझ पर ओवरटाइम करने और शेड्यूल पूरा करने का दबाव बनाती थी। यह आम बात हो गई थी और चूंकि काका के साथ मेरी कई फिल्में थीं, इसलिए मुझे दुविधा होती थी।'शर्मिला ने आगे लिखा, 'इसलिए हमारी जोड़ी इतनी सफल होने के बावजूद, मैंने दूसरे एक्टर्स के साथ ज्यादा से ज्यादा काम करना चुना। शायद काका को भी लगा होगा कि एक ही अभिनेत्री के साथ इतनी सारी फिल्में करना अच्छा नहीं है- ऐसा करने से नीरस लगने का खतरा रहता है। खैर, जो भी हो, हमने पाया कि हम साथ में कम ही फिल्में कर रहे हैं। और मुझे सच में स्वीकार करना होगा कि यह एक बड़ी राहत थी।'राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक थीं, जिन्होंने 1960 और 1970 के दशक के अंत में कई यादगार फिल्में दीं। उनकी केमिस्ट्री ने आराधना (1969), अमर प्रेम (1972), दाग (1973) और आविष्कार (1974) जैसी क्लासिक फिल्मों को रोशन किया।

न्यू ओटीटी रिलीज़- इस हफ्ते 10 नयी सीरीज़ और फिल्मे,'स्पेशल ऑप्स2', 'भूतनी या कुबेर' क्या देखेंगे आप ?

नयी दिल्ली। जुलाई के इस नए हफ्ते में ओटीटी पर 14 जुलाई से 20 जुलाई के बीच 10 नई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें केके मेनन की 'स्पेशल ऑप्स 2' से लेकर धनुष-नागार्जुन की 'कुबेर' भी है। जुलाई का नया हफ्ता शुरू हो चुका है। ओटीटी के पिटारे में 14 जुलाई से 20 जुलाई के बीच एक से बढ़कर एक 10 नई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें केके मेनन की 'स्पेशल ऑप्स सीजन 2' का जहां सभी को बेसब्री से इंतजार

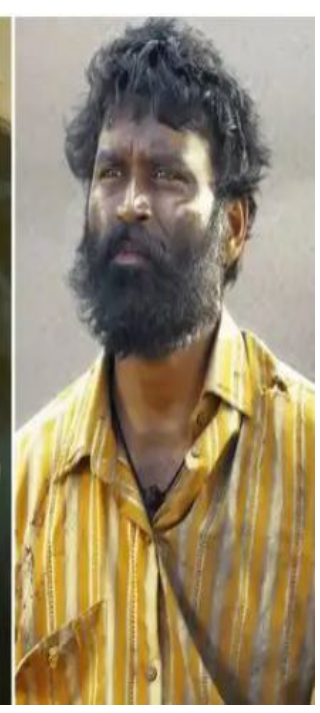

है, वहीं नागार्जुन-धनुष और रश्मि?का मंदाना की 'कुबेर', संजय दत्त और मौनी रॉय की 'द भूतनी', तेलुगू की 'भैरवम' से लेकर 'स्?टार ट्रेक' का तीसरा सीजन और के-ड्रामा के फैंस के लिए 'वॉल टू वॉल' भी शामिल हैं। आइए, एक नजर डालते हैं इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज हो रही फिल्?मों और सीरीज की पूरी लिस्?ट पर-नीरज पांडे की वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स सीजन 2' वैसे तो बीते शुक्रवार 11 जुलाई को ही रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे पोस्टपोन कर दिया गया। अब यह इस हफ्ते 18 जुलाई को रिलीज हो रही है। केके मेनन एक बार फिर से पर्दे पर रॉ के अधि?कारी हिम्मत सिंह बनकर लौट रहे हैं। इस बार हिम्मत के आगे साइबर आतंकवाद की चुनौती है। उनकी टीम बुडापेस्ट से जॉर्जिया तक दुनियाभर के कई जगहों पर आतंकियों के मंसूबे को नाकाम करने के लिए निकली है। साजिश गहरी है, क?योंकि निशाने पर भारत का यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर है। आतंकी इस स्मार्ट पेमेंट सिस्टम में सेंध लगा रहे हैं। सीरीज में हमें करण टैकर, विनय पाठक, मुजम्मिल इब्राहिम, सैयामी खेर और मेहर विज जैसे जाने-पहचाने चेहरे फिर से देखने को मिलेंगे। जबकि इस बार नए कलाकारों में ताहिर राज भसीन और प्रकाश राज जैसे दिग्गजों की भी एंट्री हुई है।बीते महीने 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'कुबेर', एक महीने बाद अब ओटीटी पर दस्तक दे रही है। बॉक्स ऑफिस पर 88.80 करोड़ रुपये का नेट कलेक?शन करने वाली इस फिल्म में नागार्जुन के साथ है। वह तिरुपति का एक साधारण भिखारी है, जो अनजाने में अरबपति नीरज मित्रा और बदनाम पूर्व सीबीआई अधिकारी दीपक की साजिश में फंस जाता है। मामला ?1 लाख करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग का है। राजनेताओं और बिजनसमैन का ग्रुप है। ये चार भिखारियों को बेनामी के रूप में कालेधन को सफेद करने के जाल में शकिार बनाता है। जब देवा को इस सच्चाई का पता चलता है तो वह पूरा खेल ही पलट देता है। इसमें उसका साथ देती है समीरा (रश्मिका मंदाना), पर सबसे खतरनाक दुश्?मन अब दोनों के पीछे पड़े हैं।संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी और सनी सिंह स्टारर डायरेक्टर सिद्धांत सचदेव की 'द भूतनी' अब ओटीटी पर रिलीज हो रही है। बॉक्स ऑफिस मई महीने में आई यह फिल्म डिजास्टर साबित हुई थी। कहानी में शांतनु और उसके कुछ कॉलेज वाले दोस्त हैं। इसी कॉलेज में एक वर्जिन ट्री है, जिस पर मोहब्बत (मौनी रॉय) का साया है। यह एक ऐसी आत्मा है, जो हर वैलेंटाइन डे पर सच्चे प्यार की तलाश में जागती है। कहानी में सस्पेंस तब बढ़ता है, जब कॉलेज के छात्रों को मतिभ्रम होता है, मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। फैसला लिया जाता है कि बाबा (संजय दत्त) को बुलाया जाएगा। बाबा एक एक पैरा-फिजिसिस्ट हैं, जो भूतों को भगाने में माहिर हैं। इस कहानी में एक ठुकराया हुआ प्रेमी है और भूतनी मोहब्बत उसके पीछे पड़ी है।

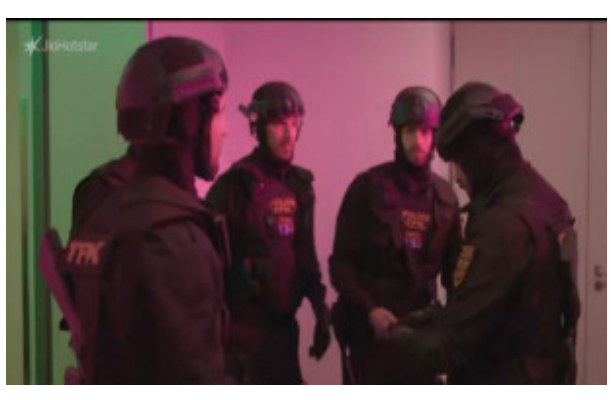

'दिल पे चलाई छुरियां' गाने में अंजलि अरोड़ा के साथ दिखे राजू कलाकार, हर कोई सोनू निगम को कह रहा धन्यवाद

मुंबई। अंजलि अरोड़ा सोनू निगम के गाने 'दिल पे चलाई छुरियां' बहुत धन्यवाद जिन्होंने कलाकार को पहचाना और इस मुकाम तक

के रीमिक्स वर्जन में राजू कलाकार के साथ नजर आई हैं, जो पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। सोनू निगम ने इस गाने में अपनी आवाज दी है और लोग राजू कलाकार को मौका देने के लिए उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।अंजलि अरोड़ा सोनू निगम के गाने 'दिल पे चलाई छुरियां' में नजर आई हैं जो 30 साल पहले आई 'बेवफा सनम' के गाने की रीमिक्स है। इस नए वर्जन में जहां सोनू निगम की आवाज है और वहीं इसमें सोशल मीडिया पर वायरल हुए राजू कलाकार भी हैं जिन्होंने पत्थर बजाकर ये गाना गाते हुए मशहूर हुए।सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से 'दिल पे चलाई छुरियां' गाने पर वीडियो की वजह से खूब वायरल हो रहे राजू कलाकार अब कच्चा बादाम गर्ल अंजलि अरोड़ा के साथ म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ गए हैं। आज 14 जुलाई को रिलीज हुए इस गाने में राजू कलाकार, अंजलि अरोड़ा, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर राजन अरोड़ा, दीपक गर्ग और ऋषभ शुक्ला भी हैं।इस वीडियो में अंजलि अरोड़ा के अंदाज को लोग काफी पसंद कर रहे हैं और सबने पूरी टीम को ढेर सारी बधाई दी है। लोगों ने कहा- सोनू निगम को पहुंचाया। एक और ने कहा- जब भी कोई गरीब वायरल होता है तो मन बहुत ही सुकून मिलता है एक गरीब का समर्थन करने के लिए आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद। सोनू निगम सर को बहुत धन्यवाद जिन्होंने कलाकार को पहचाना और यहां तक पहुंचा है। एक और यूजर ने कहा- 90 के गानों को उजागर करने वाले राजू और सह कलाकारों को धन्यवाद गीतों के साथ यादों को उजागर करने वाला गीत ।इस गाने के वर्जन में सोनू निगम ने ही अपनी आवाज़ दी है। यहां ये भी बता दें कि कुछ दिन पहले सोनू ने राजू कलाकार के साथ एक रील भी शेयर किया था। 30 साल पहले का ये गाना हाल ही में अचानक वायरल हो गया और इकी वजह राजू भट्ट यानी राजू कलाकार हैं। दरअसल राजू के दोस्त ने उनकी आवाज में ये गाना रेकॉर्ड किया और फिर सोशल मीडिया पर डाला। इसके बाद ये गाना आग की तरह सोशल मीडिया पर नजर आने लगा। यहां से रील्स बनने का भी सिलसिला शुरू हुआ औक रेमो डिसूजा जैसे कई कलाकारों ने इस गाने पर रील भी बनाए।अब इसी गाने को लेकर टी-सीरीज ने ये लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो तैयार किया है। वीडियो में राजू खुद भी मार्बल बजाते हुए दिखाई दे रहे हैं और ये पूरे गाने में नजर आ रहे हैं।

मौनी रॉय ने बीच वकेशन से शेयर की 20 तस्वीरें, एक से बढ़कर एक है अंदाज, ग्लैमर ऐसा कि देखते ही छूट जाएंगे पसीने

मुंबई। मौनी रॉय ने सोशल मीडिया की गिनती ज्यादा है। मौनी रॉय ने

पर अपनी बीच वकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें उनकी मनमोहक तस्वीरों में उनका जबरदस्त ग्लैमर दिख रहा है । तस्वीरों में मौनी बीच पर मस्ती करती हुई दिख रही हैं। उन्होंने मालदीव और ऐसी ही कुछ जगहों की 20 अलग-अलग तस्वीरें पोस्ट की हैं।मौनी रॉय उन सितारों में से हैं जो अपने काम से वक्त निकालकर घूमना-फिरना खूब पसंद करती हैं। खासकर उनके हॉलीडे लिस्ट में आईलैंड वकेशन अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिमें वो बीच हॉलीड को इंजॉय करती हुए समंदर की लहरों के किनारे स्विम सूट में खूबसूरत पोज़ देती दिख रही हैं। इन झलकियों में मौनी ने अलग-अलग वकेशन की कई झलकियां दिखाई हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल भी हो रही। मौनी रॉय ने बीच वकेशन की तस्वीरें शेयर कर एक खूबसूरत कैप्शन लिखा है। इन तस्वीरों में मौनी कई सारे दिलकश पोज़ देती दिख रही हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।